



53^{वाँ}

दीक्षान्त समारोह 2022

5 नवम्बर 2022



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली

दूरगामी दृष्टि

वैज्ञानिक तथा तकनीकी शिक्षा और अनुसंधान में उत्कर्ष द्वारा भारत और विश्व के लिए योगदान करना; बहुमूल्य संसाधन के रूप में उद्योग तथा समाज की सेवा करना तथा समस्त भारतीयों के लिए गौरव का स्रोत बने रहना।

लक्ष्य

अद्यतन अनुसंधान में व्यस्त रहते हुए नवीन ज्ञान सृजित करना तथा समसामयिक ज्ञान से अलंकृत पूर्व-स्नातक, स्नातकोत्तर एवं विद्यावाचस्पति कार्यक्रम प्रस्तुत करके शैक्षिक विकास को बढ़ावा देना।

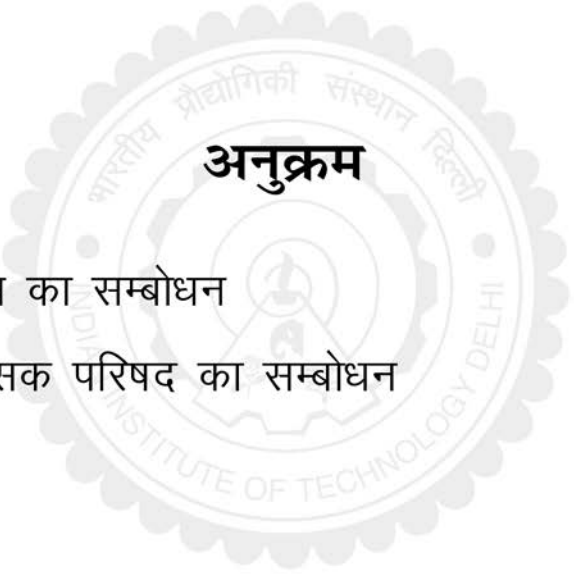
भारतीय, क्षेत्रीय तथा वैश्वीकृत आवश्यकताओं के बारे में प्राप्त बोध के आधार पर विशेषज्ञता के उन क्षेत्रों की पहचान करना जिन पर संस्थान अपना ध्यान केन्द्रित कर सके।

ऐसी सहयोगात्मक परियोजनाओं पर कार्य करना जो शैक्षिक संस्थानों एवं उद्योग जगत के बीच दीर्घकालिक अन्योन्यक्रिया के अवसर प्रदान करती हो।

मानवी अन्तःशक्तियों को अपनी सम्पूर्ण क्षमता में विकसित करना जिससे कि बौद्धिक रूप से सक्षम एवम् कल्पनाशील नेतृत्व व्यवसायों की शृंखला में उभर सके।

नैतिक मूल्य

- शैक्षिक सत्यनिष्ठा एवं जवाबदेही।
- हर व्यक्ति के विचारों का आदर एवं सहिष्णुता।
- राष्ट्र एवम् विश्व से सम्बन्धित महत्वपूर्ण विषयों पर ध्यान केन्द्रित करना।
- मानव विज्ञान सहित व्यापक अवबोध।
- बौद्धिक श्रेष्ठता तथा सर्जनात्मकता का मूल्यांकन करना।
- अनुसन्धान, तर्कपरकता तथा उद्यम की उन्मुक्त प्रवृत्ति।



अनुक्रम

- | | |
|--------------------------------------|-------|
| 1. निदेशक महोदय का सम्बोधन | 1—24 |
| 2. अध्यक्ष, अभिशासक परिषद का सम्बोधन | 25—26 |

कुलाध्यक्ष



श्रीमती द्रौपदी मुर्मू

भारत की माननीय राष्ट्रपति एवं कुलाध्यक्ष, भा.प्रौ.सं. दिल्ली



श्री धर्मेन्द्र प्रधान
माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री



डॉ. आर. चिदंबरम
अध्यक्ष, अभिशासक परिषद, भा.प्रौ.सं. दिल्ली



प्रो. रंगन बैनर्जी
निदेशक, भा.प्रौ.सं. दिल्ली

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली (भा.प्रौ.सं. दिल्ली), भारत में विज्ञान, इंजीनियरी एवं प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षण, अनुसंधान एवं विकास के उत्कृष्ट केन्द्र के रूप में स्थापित तेईस भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में से एक है।

इसकी स्थापना सन् 1961 में इंजीनियरी महाविद्यालय के रूप में हुई थी। बाद में "इन्स्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (अमेन्डमेन्ट) ऐक्ट 1963" के अन्तर्गत इसे राष्ट्रीय महत्त्व का संस्थान घोषित किया गया था तथा इसका नया नाम "भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली" रखा गया था। तब इसे मानित विश्वविद्यालय का दर्जा

दिया गया था जिसमें अपनी शैक्षिक नीतियाँ निर्धारित करने, अपनी परीक्षाएँ स्वयं आयोजित करने तथा अपनी उपाधियाँ प्रदान करने की शक्तियाँ निहित थीं।

2018 में संस्थान को सरकार द्वारा "उत्कृष्ट संस्थान" के रूप में घोषित किया गया।

भा.प्रौ.सं. दिल्ली से, इसके प्रारम्भ से इंजीनियरी, भौतिक विज्ञानों, प्रबन्ध और मानविकी एवं समाज विज्ञानों सहित विविध विद्याशाखाओं में 58,000 से अधिक विद्यार्थियों ने स्नातक/स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त की हैं।

अकादमिक सांख्यिकी		
संकाय एवं अकादमिक स्टाफ (31.10.2022 तक)		742
वर्तमान नामांकन (31.10.2022 तक)		
स्नातकपूर्व कार्यक्रम		5,116
स्नातकोत्तर कार्यक्रम (एम.टेक./एम.एस.(आर.)/एम.डिजा./एम.एससी./एम.बी.ए./एम.पी.पी./पी.जी. डिप्लोमा)		3,446
पीएच.डी.		3,536
	कुल	12,098
प्रदान की गई उपाधियाँ	(2021 तक)	(2021-22 के दौरान)
पीएच.डी.	6,365	307
एम.बी.ए.	2,063	146
एम.एस. (अनुसंधान)	384	36
जैव रसायन एवं जैव प्रौद्योगिकी में 5 वर्षीय समाकलित एम.टेक.	331	-
एम.डिस.	409	13
एम.टेक.	20,412	469
5 वर्षीय दोहरी उपाधि कार्यक्रम (एम.टेक. और बी.टेक.)	1,959	100
उन्नत स्टैंडिंग के तहत एम.टेक.	39	03
गणित और कम्प्यूटिंग में 5 वर्षीय समाकलित एम.टेक.	516*	-
पी.जी. डी.आई.आई.टी. (नौसेना निर्माण)	1,033	25
वी.एल.एफ.एम. में संयुक्त पी.जी. डिप्लोमा	-	20
डी.आई.आई.टी. (स्नातकोत्तर)	156	06
एम.एससी.	3,652	194
बी.टेक.	18,614	733
डी.आई.आई.टी. (स्नातकपूर्व)	35	08
कुल	55,968	2,100

* गणित और कम्प्यूटर अनुप्रयोगों में 5 वर्षीय समाकलित मास्टर ऑफ साइंस (एम.एससी.) शामिल है।

निदेशक महोदय का सम्बोधन

समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. अभिजीत बनर्जी, डॉ. आर. चिंदबरम, अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, बोर्ड और सीनेट के सदस्य, डिग्री प्राप्त करने वाले, विशिष्ट अतिथियों; सहकर्मियों, देवियों और सज्जनों तथा उपाधि प्राप्त कर रहे प्रिय विद्यार्थियों।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली के 53वें वार्षिक दीक्षान्त समारोह में आप सभी का स्वागत करते हुए और हमारी गतिविधियों, उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं की संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। हम अपने साथ यहां अल्फ्रेड नोबेल की स्मृति में आर्थिक विज्ञान में 2019 के स्वेरिग्स रिक्सबैंक पुरस्कार के प्राप्तकर्ता प्रो. अभिजीत बनर्जी को पाकर बहुत गौरवान्वित और प्रसन्न महसूस कर रहे हैं, जिन्होंने इस भव्य अवसर पर मुख्य अतिथि बनने का निमंत्रण स्वीकार किया।

पिछला साल चुनौतीपूर्ण रहा है, फिर भी भा.प्रौ.सं. दिल्ली के लिए आशा और वादे से भरा रहा। हमने 2020 के बाद से महामारी में विक्षुब्ध करने वाले चरण को नेविगेट किया तथा लॉकडाउन, संगरोध, स्वास्थ्य के मुद्दों और व्यक्तिगत

नुकसान से इसका मुकाबला किया है। हम धीरे-धीरे वापस लौट आए और परिसर ने महामारी से पूर्व अपनी जीवंतता और भावना में वापस आना शुरू कर दिया है। हम धीरे-धीरे वापस सामान्य स्थिति में आ गए हैं।

इस साल मार्च में, हमने अपने प्रथम वर्ष के स्नातकपूर्व छात्रों के लिए दूसरा सेमेस्टर – ऑफलाइन सेमेस्टर के रूप में शुरू किया। प्रत्यक्ष कक्षाओं के लिए नए बैच का उत्साह देखकर हमें अत्यंत खुशी हुई। हमने अप्रैल से एक विशेष प्रयोगशाला सेमेस्टर का आयोजन किया ताकि महामारी के वर्षों में छूटी हुई छात्रों की ऑफलाइन प्रयोगशालाओं को पूरा कराया जा सके। इस साल अगस्त से हमारे पास सभी बैचों के लिए पूर्ण नियमित ऑफलाइन कक्षाएं हैं। इस महामारी के दौर में संस्थान ने बहुत से सबक सीखे हैं। हम इससे शिक्षण और अध्ययन, पाठ्येतर और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों और खेल के लिए एक नए उत्साह के साथ उभरे हैं।

दो साल के अंतराल के बाद परिसर में प्रत्यक्ष रूप से कई कार्यक्रम-रांदेवू, खेल उत्सव, अल्युमनी की बैठकें आयोजित की गईं।

संस्थान ने देशभर से सर्वश्रेष्ठ छात्रों को आकर्षित करना जारी रखा है। हमारे पास सभी स्तरों पर एक अत्यंत उच्च चयनात्मकता है जिसमें केवल 1% से कम आवेदकों का एक छोटा प्रतिशत हमारे शैक्षणिक कार्यक्रमों में शामिल होता है। हम प्रतिस्पर्धी अनुसंधान अनुदान आकर्षित करने, उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने और अपने विचारों और अनुसंधान से समाज पर पड़ता प्रभाव देखने में सफल रहे हैं।

दुनिया, देश और संस्थान अभी कोविड महामारी के कहर से उभर रहे हैं—हालांकि यह हमारे दैनिक जीवन की शैली में एक अभूतपूर्व विराम था। यह ध्यान देने योग्य है कि न केवल भा.प्रौ.सं. दिल्ली ने अपने अकादमिक और अनुसंधान कार्यक्रमों को जारी रखने का प्रबंध किया, बल्कि हमने इन्नोवेटिव उत्पादों और समाधानों द्वारा महामारी से लड़ने में मदद करने के लिए उत्कृष्ट योगदान दिया। यह गर्व की बात है कि हम इस वैश्विक आपदा के प्रभावों के प्रबंधन और नियंत्रण के राष्ट्रीय मिशन में भाग लेने में सक्षम हैं।

हर उपलब्धि हमारे पूर्ववर्तियों—अल्युमनी, सेवानिवृत्त संकायों, पिछले नेतृत्व और कर्मचारियों के कंधों पर है। संस्थान के सीमित स्थान में उपलब्ध सुविधाओं को सभी के लिए अनुकूल बनाने के संस्थान के प्रयास में सहायता करते हुए—2000 वर्ग मीटर में फैला नया मित्तल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स एक स्वागत योग्य अतिरिक्त खेल बुनियादी ढांचा प्रदान करता है और इसे क्लास 1995 के श्री सौरभ मित्तल द्वारा संभव बनाया गया है। हमारे बुनियादी ढांचे में इसके अलावा सार्वजनिक प्रणाली

प्रयोगशाला है। जिसका उद्घाटन 16 अगस्त, 2022 को श्री पीयूष गोयल, माननीय वाणिज्य और उद्योग, उपभोक्ता मामले और खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण और कपड़ा मंत्री, भारत सरकार द्वारा किया गया है। भारत के राष्ट्रीय मिशन में भाग लेने और मजबूत करने के हमारे अभियान को जारी रखते हुए, यह प्रयोगशाला सार्वजनिक प्रणालियों की दक्षता, पहुंच और प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए संचालन अनुसंधान, विश्लेषिकी, अर्थशास्त्र, AI और अन्य प्रासंगिक क्षेत्रों का उपयोग करेगी।

हमने पिछले वर्ष अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ भी हासिल की हैं—3 सितंबर, 2022 को हीरक जयंती (डायमंड जुबली) समापन समारोह आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि भारत की महामहिम राष्ट्रपति थी। श्री धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय शिक्षा मंत्री; डॉ. सुभाष सरकार, केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री; डॉ. राजकुमार रंजन सिंह, केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री और भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार, प्रो. अजय कुमार सूद इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने भा.प्रौ.सं. दिल्ली द्वारा विकसित रिसर्च ऐन्ड इनोवेशन पार्क (आर. एन्ड आई. पार्क) और प्रौद्योगिकियों की प्रदर्शनी का वर्चुअल उद्घाटन किया गया। माननीय शिक्षा मंत्री ने भा.प्रौ.सं. दिल्ली हीरक जयंती और उन्नत भारत अभियान पुस्तिकाओं का विमोचन किया और महामहिम राष्ट्रपति को पहली प्रति भेंट की।

न केवल अकादमिक बल्कि बुनियादी ढांचे के विस्तार पर ध्यान केंद्रित करते हुए, भा.प्रौ.सं. दिल्ली में विविधता और समावेशन (ODI) के एक नए कार्यालय का उद्घाटन

6 सितंबर, 2022 को भारत के सर्वोच्च न्यायालय के माननीय डॉ. न्यायमूर्ति धनंजय वाई. चंद्रचूड़ द्वारा किया गया। विविधता और समावेश कार्यालय (ODI) उस कार्य का आंशिक रूप से पुनर्गठन है जो संस्थान में होता रहा है (जैसे— जेंडर और मानसिक स्वास्थ्य) और आंशिक रूप से पहचान आधारित निवारण (दिव्यांगता, जाति और लैंगिकता) से संबंधित कार्य का विस्तार है। यह कार्यालय परिसर में संस्थान के विश्वास और आदर्शों का प्रतिनिधित्व करता है जो वास्तव में समावेशी, सुलभ है और जो सभी को समान अवसर प्रदान करता है।

मैं संकाय, छात्रों और कर्मचारियों सभी के सहयोग, समर्थन और कड़ी मेहनत के लिए अपना आभार व्यक्त करना चाहता हूँ, जिसने हमें इन कठिन वर्षों से निपटने और फिर से शुरुआत करने में मदद की। हमने देखा है कि हमारे संकाय और शोधकर्ताओं के प्रयासों ने कोविड के खिलाफ लड़ाई में प्रभाव डाला है — हमारे बवअपक किट, मास्क, नवीन तकनीकों, COWIN ऐप के लिए समर्थन ने दिखाया कि हम चुनौती का सामना कर सकते हैं और एक अंतर (difference) बना सकते हैं।

मैं अपने पूर्ववर्ती प्रो. वी. रामगोपाल राव को इस कठिन अवधि के दौरान संस्थान में उनके नेतृत्व के लिए धन्यवाद देना चाहता हूँ। हम भाग्यशाली हैं कि संस्थान को सही दिशा में चलाने के लिए बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष डॉ. आर. चिदंबरम के मार्गदर्शन और समर्थन का लाभ मिला है। संस्थान के लिए शिक्षा मंत्रालय एक महत्वपूर्ण सहायक रहा है और इसने हर मोड़ पर हमारी मदद की है।

हमारे संकायों के पुरस्कारों; राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग के माध्यम से छात्रों की मान्यता; हमारे स्नातकों के उत्कृष्ट प्लेसमेंट और हमारे अल्युमनी की स्टेला उपलब्धियों से अकादमिक उत्कृष्टता और अनुसंधान में संस्थान की प्रतिबद्धता परिलक्षित होती है।

53वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर, पिछले वर्ष के दौरान कुछ प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है।

शैक्षिक गतिविधियाँ

अवधि के दौरान शुरू किए गए नए शैक्षणिक कार्यक्रम हैं:— मशीन इंटेलिजेंस और डेटा विज्ञान (एम.आई. एन.डी.एस.) में एम.एस.(आर), परिवहन सुरक्षा और चोट निवारण में एम.एस.(आर), बायोमोलेक्यूलर और बायोप्रोसेस इंजीनियरिंग में एम.टेक, मशीन इंटेलिजेंस और डेटा विज्ञान (एम.आई.एन.डी.एस.) में एम.टेक., और बैचलर ऑफ डिजाइन (बी.डिजा.) शामिल हैं।

इस दीक्षांत समारोह में जिन नए कार्यक्रमों के लिए पहली बार डिग्री/डिप्लोमा दिया जा रहा है, वे हैं— संयुक्त पीएच.डी. (भा.प्रौ.सं. दिल्ली और NYCU), संयुक्त पी.जी. डिप्लोमा इन विजनरी लीडरशिप फॉर मैन्युफैक्चरिंग (VLFM) (भा.प्रौ.सं. दिल्ली और NITIE), सेंसर्स इंस्ट्रुमेंटेशन और साइबर-भौतिक सिस्टम इंजीनियरिंग में एम.एस.(आर), संज्ञानात्मक विज्ञान में एम.एससी. और अर्थशास्त्र में एम.एससी.।

वर्तमान में 5516 स्नातक, 3446 स्नातकोत्तर (गैर—पीएच.डी.) छात्र और 3536 पीएच.डी. छात्र हैं। इस

वर्ष 253 महिला छात्रों सहित 1226 स्नातक छात्रों, 266 महिला छात्रों सहित 1421 स्नातकोत्तर छात्रों (गैर-पीएच.डी.) और 215 महिला छात्रों सहित 621 पीएच.डी. छात्रों को भा.प्रौ.सं. दिल्ली में प्रवेश दिया गया है। हमारे यहां स्नातक कार्यक्रमों में 19 प्रतिशत लड़कियाँ हैं और कुल मिलाकर 25 प्रतिशत छात्र हैं। संस्थान में वर्तमान में 113 अंतरराष्ट्रीय छात्र हैं, जिनमें 46 पीएच.डी. छात्र और 67 स्नातकोत्तर छात्र हैं।

कोविड हमारे जीवन में एक विनाशकारी विराम था, लेकिन इसने हमें अपनी रणनीतियों को फिर से जानने के लिए भी मजबूर किया – हमें अपनी दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों, शिक्षण, बैठकों और शोध के लिए ऑनलाइन जाने के लिए मजबूर किया, लेकिन इसने प्रत्यक्ष स्थान और समय की बाधाओं को तोड़कर हमें और अधिक रचनात्मक बना दिया। हमने अब व्यक्तिगत रूप से शिक्षण और शोध फिर से शुरू कर दिया है लेकिन विशेषज्ञों और अंतरराष्ट्रीय शिक्षाविदों के साथ ऑनलाइन बातचीत करने के लाभों का आनंद लेना जारी रखा है। 'हम अपने शैक्षणिक आउटरीच पहल को भी जारी रखे हुए हैं जो बड़े पैमाने पर अकादमिक साथियों और समाज के साथ सार्थक संपर्क बनाने का प्रयास करती हैं'। भा.प्रौ.सं. दिल्ली की शैक्षणिक आउटरीच समिति ने अपने आसपास के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर पर स्कूलों और कॉलेजों तक पहुंचने के लिए शैक्षणिक आउटरीच गतिविधियों को एक व्यापक तरीके से शुरू किया है। कम प्रतिनिधित्व वाले समुदायों और समूहों के युवा छात्रों तक पहुंचने और उन्हें सलाह देने के लिए

व्याख्यान श्रृंखला, कार्यशालाएं और बूटकैंप जैसी कई पहलें की गई हैं। हमारे पास स्कूली छात्रों के लिए "Sci-Tech Spins" नामक एक ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला है जिसमें भा.प्रौ.सं. दिल्ली के कई संकाय सदस्यों ने विशेष रूप से हाई स्कूल के छात्रों के लिए दिलचस्प और विचारोत्तेजक व्याख्यान दिए हैं। लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के हमारे प्रयासों को ध्यान में रखते हुए छात्राओं के बीच STEM करियर में रुझान प्रोत्साहित करने और STEM में करियर बनाने तथा उन्हें परामर्श देने के लिए एक STEM छात्र परामर्श कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम के तहत दिल्ली सरकार और केंद्रीय विद्यालय के लिए 8 ऑनलाइन विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किए गए। चेंज मेकर्स और बूट कैंप स्कूली छात्रों तक पहुंचा। संस्थान व्याख्यान श्रृंखला के माध्यम से शिक्षा और समाज में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विद्वान, पेशेवर, विश्व में अग्रणी और बुद्धिजीवी कैंपस समुदाय से बातचीत करते हैं और उनके विचार YouTube और अन्य मीडिया चैनलों पर भी उपलब्ध हैं ताकि सामान्य समाज को भी लाभ मिल सके।

जुलाई 2020 में भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अनुमोदन के बाद, भा.प्रौ.सं. दिल्ली ने प्रस्तावित दिशानिर्देशों का आकलन करने और एनईपी 2020 की सिफारिशों के कार्यान्वयन हेतु उपयुक्त उपायों की खोज करने के लिए एक सक्रिय रुख अपनाया है। एनईपी 2020 के कार्यान्वयन के एक भाग के रूप में, भा.प्रौ.सं. दिल्ली ने कई एनईपी परिचर्चा पैनल का आयोजन किया।

ट्राइस्ट जोकि भा.प्रौ.सं. दिल्ली का वार्षिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी उत्सव है, जिसे व्यापक रूप से उत्तर भारत के सबसे बड़े तकनीकी उत्सव के रूप में स्वीकार किया गया है, संस्थान में 15-17 अप्रैल, 2022 तक इसका आयोजन किया गया था।

नए पाठ्यक्रम की समीक्षा और कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष द्वारा एक वार्ता के माध्यम से नए पाठ्यक्रम पर संक्षिप्त जानकारी के साथ 5 सितंबर, 2022 को शिक्षक दिवस मनाया गया। इसके बाद शैक्षणिक वर्ष 2021-22 के लिए शिक्षण उत्कृष्टता पुरस्कार दिए गए।

सतत शिक्षा कार्यक्रम/गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम

सतत शिक्षा एक ऐसी संस्कृति के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण है जो नई तकनीकों और समाधानों को बढ़ावा देती है और एक ऐसा कार्यबल तैयार करती है जो तकनीकी, व्यवसाय और नियामक परिदृश्य की तेजी से बदलती जरूरतों को पूरा करता है। इसके अलावा यह शिक्षार्थियों की बदलती जरूरतों, ऑनलाइन अधिगम की स्वीकृति, महामारी का प्रभाव और नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 जारी करना शिक्षा प्रणाली के चल रहे क्रम-विकास के लिए प्रमुख चालकों के रूप में उभरा है। सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सुलभ बनाने के उद्देश्य से प्रतिबद्ध होते हुए सीईपी इकाई की स्थापना की गई है, जो काम करने वाले पेशेवरों की ज्ञान उन्नयन, पुनः कौशल और कौशल सुधार जरूरतों को पूरा करेगा।

सीईपी भा.प्रौ.सं. दिल्ली पहले से ही पिछले 2 वर्षों से

eVIDYA@IITD (भा.प्रौ.सं. दिल्ली में युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए वर्चुअल और इंटरएक्टिव-लर्निंग को सक्षम बनाना) पहल के तहत ऑनलाइन सर्टिफिकेट कार्यक्रम चला रहा है। पिछले दीक्षांत समारोह के बाद से, सीईपी द्वारा इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी, विज्ञान, मानविकी और प्रबंधन के विभिन्न क्षेत्रों में 23 ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम किए गए हैं, जिससे कुल 2159 प्रतिभागी लाभान्वित हुए हैं।

भा.प्रौ.सं. दिल्ली की सतत शिक्षा कार्यक्रम (सीईपी) इकाई प्रमाणपत्र कार्यक्रम आयोजित करने और प्रमाण पत्र जारी करने के लिए एक सांविधिक निकाय है। इसलिए ऑनलाइन कार्यक्रम के अलावा सीईपी परिसर में ओपन प्रतिभागी कार्यक्रम भी प्रस्तुत करता है। ये कार्यक्रम प्रतिभागियों को परिसर से जुड़ाव का अनुभव देने के लिए तैयार किए गए हैं। पूरे कार्यक्रम के दौरान छात्र सहपाठियों, अतिथि वक्ताओं और प्रोफेसरों के साथ मिलते हैं, अध्ययन करते हैं और बीतचीत करते हैं और इस प्रकार वे भा.प्रौ.सं. दिल्ली के व्यापक समुदाय से जुड़ते हैं।

हमारे ओपन एनरोलमेंट एक्जेक्यूटिव कार्यक्रमों के अलावा, सीईपी आपके संगठन को आकार देने या बदलने और अपने पेशेवरों को विकसित करने में मदद करने के लिए विभिन्न प्रकार के विशेषज्ञता क्षेत्रों में जरूरत अनुसार तैयार कार्यक्रम प्रदान करता है। आपके संगठन की विशिष्ट प्रशिक्षण आवश्यकताओं और उद्देश्यों के अनुरूप, जरूरत अनुसार तैयार कार्यक्रम आपके पेशेवरों के नेतृत्व कौशल और विशेषज्ञता को मजबूत करने के लिए

सही साधन हैं। सीईपी ने पिछले दीक्षांत समारोह के बाद से 19 कार्यक्रम किए हैं, जिसमें 2,26,665 व्यक्ति प्रशिक्षण दिवस (Person Training Days) प्रदान करते हुए विभिन्न सार्वजनिक उपक्रमों; निजी कंपनियों; सरकारी एजेंसियों और शैक्षणिक संस्थानों के 715 कार्यरत पेशेवर लाभान्वित हुए हैं।

समर फैकल्टी रिसर्च प्रोग्राम (एसएफआरएफ) 2022: भा.प्रौ.सं. दिल्ली ने वर्ष 2021-2022 में विभिन्न इंजीनियरिंग और विज्ञान संस्थानों और कॉलेजों से 88 संकाय फेलो को आमंत्रित किया और भा.प्रौ.सं. दिल्ली के 55 संकाय सदस्यों द्वारा 3,696 मानव-दिवसों (Man Days) का उपयोग परामर्श प्राप्तकर्ताओं को प्रशिक्षण देने के लिए किया गया।

भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) विभिन्न भागीदार देशों के लिए भारत सरकार के विदेश मंत्रालय (एमईए) की एक पहल है। नवंबर 2021 से अब तक भा.प्रौ.सं. दिल्ली ने 28 विभिन्न भारतीय भागीदार देशों के 79 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया है।

गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (क्यूआईपी): 1970 में भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया था। अपनी स्थापना के बाद से यह कार्यक्रम देश में तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने का प्रयास कर रहा है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य देश के AICTE द्वारा अनुमोदित डिग्री स्तर के इंजीनियरिंग संस्थानों, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) के शिक्षकों की विशेषज्ञता और क्षमताओं का उन्नयन करना है। कार्यक्रम का कार्यान्वयन एवं निगारनी अब AICTE (भारत सरकार का एक वैधानिक

निकाय) द्वारा वित्त पोषित राष्ट्रीय क्यूआईपी समन्वय समिति (एनक्यूसीसी) द्वारा की जा रही है। क्यूआईपी डिग्री प्रोग्राम (पीएच.डी.) प्रदान करता है, जिसके तहत AICTE द्वारा अनुमोदित संस्थानों के संकाय सदस्यों को अपनी योग्यताओं को उन्नत करने का अवसर दिया जाता है। कुछ चयनित संस्थान संकाय सदस्यों को पीएच.डी. कार्यक्रम प्रदान करते हैं और उन्हें परिषद द्वारा छात्रवृत्ति और आकस्मिक अनुदान का भुगतान किया जाता है। वर्तमान में हमारे पास क्यूआईपी योजना के तहत भा.प्रौ.सं. दिल्ली में नामांकित 18 स्कॉलर हैं।

हमने 2021-2022 की अवधि में 5 अल्पकालिक पाठ्यक्रम भी संचालित किए हैं और विभिन्न संस्थानों के लगभग 161 संकाय सदस्यों को प्रशिक्षित किया है।

अनुसंधान और विकास गतिविधियाँ

औद्योगिक अनुसंधान और विकास इकाई (IRD यूनिट) द्वारा भा.प्रौ.सं. दिल्ली की अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ संचालित और कार्यान्वित की जाती हैं। भारत के माननीय प्रधानमंत्री की 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' योजनाओं के विकास और सफल कार्यान्वयन और सामाजिक लाभ के लिए वैश्विक मानकों को पूरा करते हुए उच्च प्रभाव और सस्ती प्रौद्योगिकियों के लिए भारत को आत्मनिर्भर बनाने में IRD यूनिट ने प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देकर कई कार्यक्रमों और योजनाओं की शुरुआत की है।

वित्तीय वर्ष 2021-22 में भा.प्रौ.सं. दिल्ली द्वारा IRD यूनिट और FIAT के माध्यम से राष्ट्रीय और वैश्विक प्रासंगिकता

के अत्याधुनिक अनुसंधान क्षेत्रों में कुल 386.23 करोड़ रुपये की कुल 632 प्रायोजित परियोजनाएं और परामर्श शुरू किए गए। इनमें कुल 351.90 करोड़ रुपये के वित्त पोषण के साथ 286 प्रायोजित परियोजनाएं और कुल 34.33 करोड़ रुपये के वित्त पोषण के साथ 346 परामर्श कार्य शामिल हैं।

प्रतिष्ठित और उच्च प्रभाव वाली पत्रिकाओं में कुल 3626 शोध प्रकाशन, 111 अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय पेटेंट, 14 स्टार्ट-अप, और 7 प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण को पूरा किया गया है।

इस अवधि के दौरान अनुसंधान के निम्नलिखित अग्रिम क्षेत्रों में नवाचार और अंतःविषय अनुसंधान के लिए IRD यूनिट के माध्यम से संस्थान द्वारा उत्कृष्टता केंद्र (CoEs) स्थापित किए गए हैं:

- नई ऊर्जा प्रौद्योगिकियों पर जी.एम.आर. उत्कृष्टता केंद्र
- इसरो (ISRO) के साथ आई.आई.टी.डी. अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ

संस्थान ने बफेलो यूनिवर्सिटी, यूएसए; टाटा स्टील लिमिटेड, भारत; ट्रूप कम्फर्ट्स लिमिटेड (TCL), भारत; सी-डॉट, भारत; मेनटेनैस कमांड हैडक्वार्टर, भारतीय वायु सेना, नागपुर; प्रसार भारती ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया, भारत और राइट्स प्राइवेट लिमिटेड, भारत के साथ प्रमुख अनुसंधान समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं।

संस्थान ने वर्ष के दौरान निम्नलिखित प्रमुख उच्च-मूल्य

वाली परियोजनाएं भी शुरू की हैं: नेशनल सेंटर फॉर मेडिकल डिवाइस मैनुफैक्चरिंग एंड टेस्टिंग फैसिलिटी, ICMR (₹50.00 करोड़), उन्नत भारत अभियान (यूबीए), शिक्षा मंत्रालय (₹49.00 करोड़), उच्च-प्रदर्शन मिश्रित फाइबर, कपड़ा मंत्रालय (₹28.00 करोड़), SAMRIDH योजना, रॉकफेलर फाउंडेशन, यूएसए (₹27.00 करोड़), उच्च प्रदर्शन और प्राकृतिक फाइबर का उपयोग करते हुए उन्नत और बहु-कार्यात्मक 3डी बुना कपड़ा संरचनात्मक मिश्रण के डिजाइन और निर्माण हेतु एक प्रौद्योगिकी मंच, कपड़ा मंत्रालय (₹20.00 करोड़)।

संस्थान ने आई.आर.डी. की बहु-संस्थागत संकाय अंतःविषय अनुसंधान परियोजना (MFIRP) योजनाओं के तहत निम्नलिखित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों/विश्वविद्यालयों के साथ 140 से अधिक संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं/कार्यक्रमों को शुरू किया है: क्लेम्सन यूनिवर्सिटी, यूएसए; हिब्रू यूनिवर्सिटी ऑफ यरुशलेम, इजराइल; नेशनल यांग मिंग चिआओ तुंग यूनिवर्सिटी, ताइवान; न्यूजीलैंड यूनिवर्सिटी, न्यूजीलैंड; डेल्टा टेक्निकल यूनिवर्सिटी, नीदरलैंड; यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ लंदन, यूनाइटेड किंगडम; साउथ डेनमार्क यूनिवर्सिटी, डेनमार्क; वाटरलू यूनिवर्सिटी, कनाडा; अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली; अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली; अशोका विश्वविद्यालय, सोनीपत; भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, आईसीएआर, दिल्ली; इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली; लिवर एन्ड बिल्लेरी विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली; नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी (NII), नई

दिल्ली; नेशनल लॉ कॉलेज दिल्ली, नई दिल्ली; और क्षेत्रीय जैव प्रौद्योगिकी केंद्र (RCB), फरीदाबाद।

आई.आर.डी. यूनिट ने प्रारंभिक चरणों में यू.जी. और पी.जी. छात्रों के बीच अनुसंधान योग्यता विकसित करने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं, जैसे: छात्र स्टार्टअप एक्शन स्कीम (17 परियोजनाएं), डिस्कवर ऐन्ड लर्न (1-2-3-4) योजना (25 परियोजनाएं), ग्रीष्म स्नातकपूर्व अनुसंधान अवार्ड (SURA) (64 प्रोजेक्ट)।

आई.आई.टी.डी.—नेशनल यांग मिंग चिआओ तुंग यूनिवर्सिटी, ताइवान संयुक्त डॉक्टरेट (JDP) कार्यक्रम। इस कार्यक्रम के तहत कुल 17 छात्र काम कर रहे हैं।

16 अगस्त, 2022 को श्री पीयूष गोयल, माननीय वाणिज्य और उद्योग, उपभोक्ता मामले और खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण और कपड़ा मंत्री, भारत सरकार द्वारा भा.प्रौ.सं. दिल्ली में पब्लिक सिस्टम लैब का उद्घाटन किया गया। प्रयोगशाला के उद्देश्य हैं: i) अनुसंधान करना, ii) समाधान तैयार करना, iii) नवाचार और उद्यमिता को सुगम बनाना और iv) सार्वजनिक प्रणालियों को मजबूत करने के लिए सरकारी क्षमता निर्माण करना। सार्वजनिक प्रणालियों की दक्षता, पहुंच, प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए परियोजना की जरूरतों के आधार पर संचालन अनुसंधान, विश्लेषिकी, अर्थशास्त्र, AI और अन्य प्रासंगिक क्षेत्रों का उपयोग करने का विचार है।

भा.प्रौ.सं. दिल्ली को 2018 में पांच साल की अवधि के लिए उत्कृष्ट संस्थान (IoE) का दर्जा दिया गया था। विस्तृत स्क्रीनिंग प्रक्रिया के बाद उत्कृष्ट संस्थान के रूप में भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त पहले

3 संस्थानों में से एक हमारा संस्थान है। IoE प्रसिद्धि के तहत, संस्थान ने वर्ष के दौरान शैक्षणिक, अनुसंधान, प्रशासनिक और ढांचागत डोमेन को कवर करते हुए कई नई पहल की है। शुरू की गई परियोजनाओं में अच्छी प्रगति हो रही है। संस्थान ने IoE अनुदानों से अत्याधुनिक उपकरणों की खरीद और स्थापना के साथ विभागों, केंद्रों और स्कूलों की शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों का समर्थन किया है।

भा.प्रौ.सं. दिल्ली में महत्वपूर्ण अनुसंधान और इनोवेशन वर्ष के दौरान संस्थान से निम्नलिखित प्रभावशाली प्रौद्योगिकियाँ और नवाचार रिकार्ड किए गए हैं।

- ईंधन के हरित विकल्प के रूप में पर्यावरण के अनुकूल डाइमिथाइल ईथर फ्लैक्स-ईंधन डीजल
- प्रयागराज और विध्याचल के बीच DRDO-IIT दिल्ली क्वांटम KEY वितरण लिंक
- तरल-ठोस इंटरफेस ट्राइबोइलेक्ट्रिक नैनोजेनरेटर
- पोर्टेबल और कुशल 'नॉन-मैकेनिकल' और 'मैकेनिकल' ट्रैकिंग सोलर पी.वी. टावर्स
- अत्याधुनिक तकनीक से लैस एक वायुमंडलीय वेधशाला
- कोविड-19 के लिए एक किफायती रेड एंटीजन टेस्ट (RAT) किट
- मल्टीमॉडल ऑप्टिकल इमेजिंग और फ्लोरेसेंस स्पेक्ट्रोस्कोपी-आधारित ओरल कैंसर और स्तन कैंसर स्क्रीनिंग और डायग्नोस्टिक किट

- ऊपरी अंगों के पुनर्वास के लिए एक्सोस्केलेटन
- महुआ न्यूट्राबरेज
- प्रदूषक अवशोषित कपड़ा
- मिर्गी का तेजी से पता लगाने के लिए AI आधारित पोर्टेबल डिवाइस
- वायु प्रदूषण से निपटने के लिए नासोफिल्टर
- Fortified चावल की पहचान के लिए स्पॉट टेस्ट
- वैनेडियम ऑक्साइड रेडॉक्स फ्लो बैटरी चार्जिंग स्टेशन
- सामग्री-जागरूक शिक्षण-आधारित स्मार्ट IoT प्लेटफॉर्म
- रोगाणुरोधी सामग्री के लिए सक्रिय कॉपर (AqCureTM) प्रौद्योगिकी
- रक्षा अनुप्रयोगों के लिए नए कैमरा सेंसर

इन प्रौद्योगिकियों एवं अनुसंधान की सफलताओं ने देश के समाज और अनुसंधान को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया है। हीरक जयंती समापन समारोह और Pan-IIT R&D मेले के दौरान आयोजित इन प्रौद्योगिकियों की प्रदर्शनियों की शिक्षा मंत्रालय और उद्योग व शिक्षा जगत के गणमान्य व्यक्तियों द्वारा बहुत सराहना की गई।

वायुमण्डलीय वेधशाला

वायुमण्डलीय विज्ञान केंद्र (सीएस) ने IOE निधि से बीज अनुदान के साथ एक नई वायुमण्डलीय अवलोकन अनुसंधान सुविधा की स्थापना की। वेधशाला अब वायु

प्रदूषकों और ग्रीनहाउस गैसों का निरीक्षण करने के लिए अत्याधुनिक उपकरणों के साथ काम कर रही है। आने वाले वर्षों में इस सुविधा का और विस्तार किया जाएगा ताकि नई खोजों को सक्षम बनाया जा सके और देश के गंभीर वायु प्रदूषण, अनिश्चित मानसून और जलवायु परिवर्तन से जुड़ी मौसमी घटनाओं, गंभीर समस्याओं का स्थायी समाधान खोजने में मदद मिल सके।

नवाचार और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण फाउंडेशन (FIAT)

नवाचार और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण फाउंडेशन (FIAT) अकादमिक से एक अग्रणी प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण संगठन है। 30 साल पहले स्थापित FIAT ने सामाजिक भलाई और आर्थिक विकास के लिए ज्ञान हस्तांतरण को सक्षम करने के लिए व्यवसायों और समुदायों के साथ साझेदारी और जुड़ाव बनाने के मिशन के साथ एक मजबूत आत्मनिर्भर निकाय के रूप में खुद को स्थापित किया है। FIAT संस्थान में सहयोगी अनुसंधान एवं विकास और खोजी परियोजनाओं का प्रबंधन करता है।

नई पहल और योजनाएं शुरू की गईं:

FIAT इनोवेशन अवार्ड: FIAT ने प्रौद्योगिकी विकास की दिशा में उत्कृष्ट योगदान के लिए संस्थान के संकायों के लिए FIAT इनोवेशन अवार्ड की स्थापना की है। जैसा कि IP निर्माण, प्रौद्योगिकी विकास और हस्तांतरण सहित स्टार्टअप निर्माण द्वारा दर्शाया गया है। पुरस्कार में 1,00,000/- रुपये की राशि और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा।

स्टार्टअप एक्सेलेरेटर कार्यक्रम: जहां FIAT उत्प्रेरक और

विभिन्न क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से नए युग के उद्यमियों का समर्थन कर रहा है, वहीं स्टार्टअप्स के लिए एक नियमित त्वरण ट्रैक शुरू किया गया है, जिसमें मुख्य रूप से राजस्व में वृद्धि और उनके मूल्यांकन पर ध्यान केंद्रित किया गया है। FIIT उद्योग और निवेशक समुदाय के साथ अपने संबंध के माध्यम से स्टार्टअप को व्यावसायिक सहायता और संसाधनों तक पहुंच प्रदान करता है।

सॉल्व फॉर टुमॉरो: 'सॉल्व फॉर टुमॉरो'—सैमसंग द्वारा FIIT के सहयोग से भारत में एक वैश्विक कार्यक्रम शुरू किया गया था। कार्यक्रम का उद्देश्य सामाजिक उद्यमिता को विकसित करना और 16 से 22 वर्ष की आयु के युवा भारतीयों को वास्तविक दुनिया के मुद्दों को हल करने के लिए अपने विचारों को क्रियान्वित करने में जोड़ना और सशक्त बनाना है। प्रतियोगिता ने शिक्षा, पर्यावरण, स्वास्थ्य देखभाल और कृषि के क्षेत्रों में ऐसे विचारों को आमंत्रित किया जो भारत के लिए संयुक्त राष्ट्र SGDs को प्राथमिकता देते हैं।

FIIT के तत्वावधान में भा.प्रौ.सं. दिल्ली में प्रक्रिया सुरक्षा, जोखिम प्रबंधन और हरित हाइड्रोजन पर ध्यान केंद्रित करने वाला उत्कृष्टता केंद्र (CoE) स्थापित किया गया है, जिसमें नायरा एनर्जी और जेक्सॉन इंडिया भागीदार हैं। मोटे तौर पर CoE (क) वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास सहयोग को सक्षम बनाएगा; (ख) प्रक्रिया सुरक्षा में पाठ्यक्रम/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करेगा; (ग) भारतीय नियामक निकायों के साथ मिलकर काम करेगा; (घ) दुर्घटनाओं के फोरेंसिक लेखा परीक्षा

में विशेषज्ञता विकसित करेगा; (ङ) विशेषज्ञों और ज्ञान इंजीनियरों आदि का समूह तैयार करेगा।

प्रौद्योगिकी संग्रह: उद्योग के लिए भा.प्रौ.सं. दिल्ली में वैज्ञानिक और अनुसंधान समुदाय के तकनीकी और नवीन कौशल को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से FIIT द्वारा “भा.प्रौ.सं. दिल्ली में प्रौद्योगिकियों का संग्रह” संकलित और प्रकाशित किया गया है। संग्रह में उद्योग भागीदारों की आसान पहुंच के लिए 80 प्रौद्योगिकियों (टीआरएल>4) को एक जगह पर रखा गया है।

FIIT ने अल्टेयर के सहयोग से, FIIT NIDHI केंद्र, आर ऐन्ड आई पार्क में अल्टेयर इनोवेशन सेंटर की स्थापना की है, जो FIIT के साथ संस्थान इन्नोवेशन और स्टार्टअप उत्प्रेरण हेतु है। केंद्र की एक प्रमुख गतिविधि के रूप में, अल्टेयर ने सॉफ्टवेयर टूल और समाधानों को लाइसेंस प्रदान किए गए हैं जिनका उपयोग क्लाउड कंप्यूटिंग, कंपोजिट, डेटा विज्ञान, डिजिटल ट्विन, ई-गतिशीलता, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT), लाइट वेटिंग, मॉडल-आधारित विकास, बहुभौतिकी सिमुलेशन, योजक विनिर्माण, मेक्ट्रॉनिक्स, स्मार्ट उत्पाद विकास, 5जी, टोपोलॉजी और पैरामीट्रिक ऑप्टिमाइजेशन के लिए किया जा सकता है।

केंद्रीय अनुसंधान सुविधा

हाल ही के वर्षों में, केंद्रीय अनुसंधान सुविधा (सीआरएफ) का तेजी से विकास हुआ है। पिछले पांच वर्षों में बुनियादी ढांचे के निर्माण और विभिन्न उन्नत सुविधाओं को स्थापित करने के लिए भा.प्रौ.सं. दिल्ली द्वारा 500

करोड़ से अधिक खर्च किए गए हैं या खर्च करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वित्त पोषण के मुख्य स्रोत IoE अनुदान, SATHI परियोजना, विशेष शिक्षा मंत्रालय अनुदान, आईआरडी के माध्यम से भा.प्रौ.सं. अनुदान और HEFA से प्राप्त ऋण है। आज हमारे पास सीआरएफ के स्वामित्व वाली और/या अपनाई गई 60 से अधिक विभिन्न सुविधाएं हैं, जो पहले से ही उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध हैं। प्रत्येक वर्ष लगभग 10 नई सुविधाएं जोड़ी जा रही हैं।

पिछले एक साल में हमारे हौज खास और सोनीपत परिसरों में 100 करोड़ रूपयों की सुविधाएं स्थापित की गई हैं। उनमें से अधिकांश पहले से ही उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध हैं। कुछ अत्याधुनिक उपकरण जैसे भौतिक संपत्ति मापन प्रणाली, एक्स रे फोटो उत्सर्जन स्पेक्ट्रोमीटर, उच्च रिजॉल्यूशन ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप, मॉलिक्यूलर बीम एपिटैक्सी, यूनिवर्सल टेस्टिंग मशीन, इलेक्ट्रॉन पैरामैग्नेटिक रेजोनेंस आदि अब हमारे सोनीपत परिसर में रखे गए हैं। इसके अलावा उसी परिसर में एक और सी.आर.एफ. भवन का निर्माण प्रगति पर है और इसके मार्च, 2023 के अंत तक पूरा होने की संभावना है। इसमें 38 अत्याधुनिक नई प्रयोगशालाएं होंगी। कुछ नई सुविधाओं का निर्माण किया जा रहा है जिनमें बीएसएल-3 जैव सुरक्षा प्रयोगशालाएं, फोटोवोल्टिक फैंब्रिकेशन और कैरेक्टराइजेशन सिस्टम, उच्च-सटीक प्रोटोटाइप विनिर्माण रोबोट्स जैसे कुछ नाम शामिल हैं।

डी.एस.टी. द्वारा परिष्कृत विश्लेषणात्मक और तकनीकी

सहायता संस्थानों की स्थापना ने नई सुविधाओं की अधिकता को जोड़कर सीआरएफ की क्षमताओं को और बढ़ाया है जो अकादमिक और औद्योगिक अनुसंधान दोनों के लिए फायदेमंद होगा। उदाहरण के लिए एक प्रोटोटाइप सुविधा विकसित की जा रही है जो MSMEs को डिजाइन के साथ विचार को बढ़ाने तथा प्रोटोटाइप का इन-हाउस विकसित करने में सक्षम बनाएगी। एक प्रदूषण निगरानी और नियंत्रण सुविधा को भी मंजूरी दी गई है। SATHI के पहले चरण में स्वीकृत कई नई हाई एंड स्पेक्ट्रोमीटर और माइक्रोस्कोप पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं और अब i-STEM पोर्टल के माध्यम से उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध हैं।

देश में अन्य शैक्षणिक संस्थानों और उद्योगों के बाकी उपयोगकर्ताओं के साथ ऐसी सुविधाओं को साझा करने में सक्षम होने की एक दृढ़ आवश्यकता महसूस की गई। अब एक नया प्लेटफॉर्म विकसित किया गया है जिससे भारत भर से कोई भी उपयोगकर्ता खाता बनाकर सीआरएफ में लॉग-इन कर सकता है और ऑनलाइन एक उपकरण बुक कर सकता है। इस कदम के साथ, ज्यादातर सीआरएफ पोर्टल के माध्यम से और कुछ i-STEM साइट के माध्यम से भा.प्रौ.सं. दिल्ली में केंद्रीय अनुसंधान सुविधा की सभी सुविधाएं अब देश के सभी शोधकर्ताओं के लिए उपलब्ध हैं।

केंद्रीय पुस्तकालय

केंद्रीय पुस्तकालय कमर्शियल लाइब्रेरी मैनेजमेंट सिस्टम (LMS) से ओपन-सोर्स सॉफ्टवेयर KOHA में विस्थापित हुई है और नए लाइब्रेरी मैनेजमेंट सिस्टम

के साथ आर.एफ.आई.डी. सिस्टम को सफलतापूर्वक एकीकृत किया गया है। संकाय सदस्यों की सुविधा के लिए KOHA आधारित ऑनलाइन पुस्तक अनुशंसा को भी लागू किया गया है। केन्द्रीय पुस्तकालय द्वारा इन-हाउस एक नया मोबाइल लाइब्रेरी ऐप विकसित किया है। शिबोलेथ ओपन-सोर्स समाधान-आधारित रिमोट एक्सेस मैनेजमेंट सिस्टम को सुदृढ़ किया गया है। इसका उपयोग Kerberos क्रेडेंशियल्स का उपयोग करके छात्रों सहित सभी उपयोगकर्ताओं को ई-संसाधनों तक दूरस्थ पहुंच प्रदान करने के लिए किया जाता है। वीपीएन और पासवर्ड-आधारित पहुंच भी जारी है। वेबसाइट के माध्यम से ई-जर्नल की ए. से जेड. सूची, आर्काइवल तथा ई-पत्रिकाओं पूर्ण और निष्पादित की गई। भा.प्रौ.सं. दिल्ली सेंट्रल लाइब्रेरी-इंटरन एलुमनी नेटवर्क बनाया गया है और इसे लाइब्रेरी वेबसाइट के माध्यम से प्रबंधित किया जाता है: <https://library.iitd.ac.in/alumniinterns>। केन्द्रीय पुस्तकालय ने इस अवधि के दौरान दो प्रत्यक्ष पुस्तक प्रदर्शनियों का आयोजन किया। प्रदर्शनियों ने कई संस्थान उपयोगकर्ताओं और संकाय सदस्यों को आकर्षित किया, जिससे पुस्तकालय को एक संतुलित संग्रह विकसित करने में मदद मिली।

उन्नत भारत अभियान (यूबीए)

भा.प्रौ.सं. दिल्ली शिक्षा मंत्रालय के प्रमुख उन्नत भारत अभियान (यूबीए) कार्यक्रम का राष्ट्रीय समन्वयक भी है, जिसकी संकल्पना मूल रूप से भा.प्रौ.सं. दिल्ली में ही की गई थी। उन्नत भारत अभियान का उद्देश्य शिक्षकों और छात्रों को ग्रामीण भारत के लोगों के साथ काम

करने में सक्षम बनाकर समाज और उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच एक जीवंत संबंध बनाना है, ताकि विकास की चुनौतियों की पहचान की जा सके, उपयुक्त समाधानों को विकसित किया जा सके और सतत विकास और गांव के परिवर्तन में तेजी लाने के लिए प्रभावशाली हस्तक्षेपों को लागू किया जा सके। उन्नत भारत अभियान मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र और सतत विकास के लिए महत्वपूर्ण हस्तक्षेप के पांच क्षेत्रों पर केंद्रित है— सतत कृषि प्रणाली; जल संसाधन प्रबंधन; ग्रामीण ऊर्जा प्रणाली; कारीगर, उद्योग और आजीविका; और बुनियादी सुविधाएं (जैसे स्कूली शिक्षा, सस्ती स्वास्थ्य देखभाल, स्वच्छता, बुनियादी ढांचा, डिजिटल सशक्तिकरण, कनेक्टिविटी, आदि)। आज तक उन्नत भारत अभियान के तहत 3,200 से अधिक उच्च शिक्षा संस्थान 548 जिलों, 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों में गए हैं और ये 16,000 से अधिक गांवों के साथ काम कर रहे हैं। योजना की पहुंच को मजबूत करने के लिए देश में 45 क्षेत्रीय समन्वय संस्थान (आरसीआई) हैं। उन्नत भारत अभियान ग्रामीण विकास मंत्रालय, पंचायती राज मंत्रालय, जल शक्ति मंत्रालय और भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय के साथ मिलकर काम करता है। उन्नत भारत अभियान और उसके सहयोगियों ने सामाजिक और आर्थिक लक्ष्यों के साथ विज्ञान और प्रौद्योगिकी के एकीकरण के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए कई पहल की हैं। योजना की पहुंच को मजबूत करने के लिए देश में 45 क्षेत्रीय समन्वय संस्थान (आरसीआई) हैं। उदाहरण के लिए CSIR, VIBHA और RUTAG के सहयोग से देश भर में और

NECTAR और FISS के साथ पूर्वोत्तर क्षेत्र में आजीविका के अवसरों को तेजी से ट्रैक करना। सीआरडीटी, भा.प्रौ.सं. दिल्ली और उन्नत भारत अभियान संयुक्त रूप से डी.एस.टी. प्रायोजित परियोजना पर उत्तराखंड में प्राकृतिक संसाधनों के सतत प्रबंधन पर काम कर रहे हैं। उन्नत भारत अभियान देश भर में 'कैच द रेन' पहल के कार्यान्वयन के लिए राष्ट्रीय जल मिशन के साथ शामिल हो गया है। उन्नत भारत अभियान के लक्ष्यों की दिशा में उच्च शिक्षा संस्थानों को मजबूत और उन्मुख करने के लिए शुरू की गई कई क्षमता निर्माण पहल में YOJAK और NIRDPR भागीदार हैं।

कॉर्पोरेट संबंध

वर्ष 2016 से स्थापित ऑफिस ऑफ कॉर्पोरेट रिलेशंस (सीआर) भा.प्रौ.सं दिल्ली और उद्योगों के मध्य संबंधों का सक्रिय रूप से मजबूती प्रदान कर रहा है। विविध उद्योग अनुभव वाले प्रोफेशनलों की एक टीम द्वारा समर्थित सीआर सक्रिय रूप से उद्योग से ज्ञान और उभरती प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण को उत्प्रेरित करने में लगा हुआ है। सीआर, क्रॉस-डिसिप्लिनरी लर्निंग एवेन्यू और क्रॉस कल्चरल सॉल्यूशन बिल्डिंग को उत्प्रेरित करने के लिए बहु-सोसाइटी की पहलों को जोड़ता है। कॉर्पोरेट रिलेशंस का उद्देश्य नवप्रवर्तन के लिए एक स्थायी वातावरण, उद्यमशीलता को बढ़ावा देना है और दुनिया भर के विभिन्न उद्योगों के लिए वैश्विक बाजार में इन मांगों को पूरा करने के लिए एक उत्तरदायी पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है।

इस अवधि के दौरान कई संगठनों के साथ अनुसंधान

सहयोग स्थापित किया गया है, जिसमें ITC लिमिटेड, OLX ऑटो, कृष्णा मारुति लिमिटेड, यूएफआई फिल्टर, मीडियाटेक इंक, नो डिस डेटा साइंस एलएलपी, एथेना पावरटेक एलएलपी, जुबिलेंट फूडवर्क्स लिमिटेड, दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड, और टीबीओ टेक लिमिटेड शामिल हैं।

अवसंरचना विकास

वर्ष 2022 के दौरान की गई प्रमुख अवसंरचना विकास गतिविधियों को नीचे दर्शाया गया है:-

HEFA वित्त पोषित परियोजनाएं:

पुरुष छात्रावासों (द्रोणागिरी एवं सप्तगिरी) का निर्माण; महिला छात्रावास (सह्याद्री) का निर्माण; 67778 वर्गमीटर क्षेत्रफल वाले 99बी और 99सी भवनों (इंजीनियरिंग ब्लॉक) का निर्माण; 3510 वर्गमीटर क्षेत्रफल वाले स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण; नालंदा अपार्टमेंट फेज-II का निर्माण और सी.आर.एफ. भवन सोनीपत के लिए उपकरणों की खरीद।

IOE वित्त पोषित परियोजनाएं:

मौजूदा भवन के ऊपर पीईबी/लाइट गेज संरचना का निर्माण; सोनीपत में SATHI भवन का निर्माण

प्रमुख परियोजनाएं पूर्ण:

अनुसंधान और नवाचार पार्क (आर. एन्ड आई. पार्क) का निर्माण, जिसका क्षेत्रफल लगभग 30,000 वर्गमीटर है इसमें दो मंजिला भूमिगत तल (Basement) हैं।

प्रमुख परियोजनाएं शुरू की जा रही हैं:

पुरुष छात्रावास का निर्माण; शैक्षणिक ब्लॉक-103 का

निर्माण; सी-टाइप घरों का निर्माण, फैकल्टी घरों का निर्माण; महिला छात्रावासों का निर्माण।

झज्जर परिसर का विकास:

परिसर की दीवार का निर्माण कार्य मैसर्स एन.बी.सी.सी. को सौंपा गया है। मृदा परीक्षण एवं स्थलांतिक सर्वेक्षण का कार्य प्रगति पर है।

अंतर्राष्ट्रीयकरण

क्वींसलैंड विश्वविद्यालय (UQ) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली (IITD) ने 2018 में UQIITD एकेडमी ऑफ रिसर्च (UQIDAR) का शुभारंभ किया। यह दो विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के बीच एक संयुक्त उद्यम है और छात्रों के लिए वैश्विक जोखिम, सीमा पार के अवसरों और विकास को प्राप्त करने का एक सेतु है। साझेदारी के दौरान विज्ञान, इंजीनियरिंग, मानविकी और प्रबंधन के विविध क्षेत्रों में 163 अनूठी परियोजनाओं का विज्ञापन किया गया और जिसके लिए 2289 आवेदन प्राप्त हुए। अगस्त 2022 में अकादमी ने UQIDAR के 100वें छात्र नामांकन का जश्न मनाया। UQ के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कुलाधिपति श्री पीटर वर्गीज और UQ के कुलपति डॉ. डेबोराही टेरी ने साझेदारी के विस्तार पर चर्चा करने के लिए भारत के अन्य अधिकारियों के साथ संस्थान का दौरा किया। 3 दिवसीय कार्यक्रम में पर्यवेक्षकों और छात्रों के साथ संवादात्मक और संभावित उद्योग भागीदारी पर विचार-मंथन सत्र शामिल थे।

विभिन्न सहयोग और विनिमय कार्यक्रमों के लिए दुनियाभर के भागीदार विश्वविद्यालयों, संस्थानों और

प्रतिनिधिमंडलों के साथ ऑनलाइन/प्रत्यक्ष बैठकें आयोजित की गईं। निम्नलिखित समझौता ज्ञापन स्थापित किए गए: ग्रोनिंगन यूनिवर्सिटी, नीदरलैंड; डेल्टा यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, नीदरलैंड्स; 4 विश्वविद्यालयों का गठबंधन (A4U); वाटरलू यूनिवर्सिटी (अकादमिक) कनाडा; स्वाइनबर्न टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया; एक्सेटर यूनिवर्सिटी, यू.के.; एडिथ कोवान यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया (नवीकरण); इंडो फ्रेंच नेटवर्क, फ्रांस; बांग्लादेश हाई-टेक पार्क अथॉरिटी (बी.एच.टी. पी.ए.), बांग्लादेश; ड्रेक्सेल यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग फिलाडेल्फिया, यू.एस.ए. (नवीकरण); और द पोलिटेक्निको डि मिलानो, इटली।

वाटरलू विश्वविद्यालय – भा.प्रौ.सं. दिल्ली के बीच छात्र-नेतृत्व वाली आभासी जुड़ाव: अपने संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए वाटरलू विश्वविद्यालय और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली ने अपने-अपने देशों में सतत विकास से संबंधित मुद्दों के बारे में एक छात्र-नेतृत्व वाली कार्यशाला में सहयोग किया।

भा.प्रौ.सं. दिल्ली और ब्रुनेई दारुस्सलाम विश्वविद्यालय के बीच संयुक्त कार्यक्रम: 1 नवंबर, 2021 को भा.प्रौ.सं. दिल्ली और यूनिवर्सिटी ब्रुनेई दारुस्सलाम ने अपने सहयोग को मजबूत करने और तालमेल विकसित करने के प्रयास में छात्र नेतृत्व वाली एक आभासी कार्यक्रम की मेजबानी की ताकि दोनों विश्वविद्यालयों के छात्र एक साथ आएँ और विचारों पर चर्चा करें। जो दोनों विश्वविद्यालयों के लिए प्रासंगिक भी हैं और विभिन्न संस्कृतियों के लोगों के साथ दोस्ती को बढ़ावा देती हैं।

28 फरवरी, 2022 को भारत में बांग्लादेश के राजदूत, महामहिम श्री मुहम्मद इमरान, श्री शहीद बिन अजीज, काउंसलर, बांग्लादेश उच्चायोग और उनकी दूतावास टीम ने भा.प्रौ.सं. दिल्ली का दौरा किया। इस यात्रा ने विशेष रूप से वस्त्र इंजीनियरी के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग विकसित करने के महत्व पर जोर दिया।

4 अप्रैल, 2022 को कॉइनबेस के सी.ई.ओ./सह-संस्थापक ब्रायन आर्मस्ट्रांग के साथ भा.प्रौ.सं. दिल्ली में एक विशेष फायरसाइड चैट का आयोजन किया गया। संवाद मुख्य रूप से क्रिप्टोकॉरेंसी के पीछे की तकनीक तथा भारत और अन्य देशों में उस क्रिप्टोकॉरेंसी के भविष्य पर केंद्रित था, जिसकी तुलना सोने जैसी वस्तुओं से की जाती है।

भा.प्रौ.सं. दिल्ली ने 27 जुलाई, 2022 को USAID प्रशासक, सुश्री सामंथा पावर के साथ एक पारस्परिक वार्ता सत्र की सह-मेजबानी की। इस सत्र के दौरान सुश्री पावर ने भारत-अमेरिका विकास साझेदारी के इतिहास, ताकत और भविष्य के बारे में बात की।

भा.प्रौ.सं. दिल्ली को शिक्षा मंत्रालय ने संयुक्त अरब अमीरात में भा.प्रौ.सं. अबू धाबी की स्थापना का पता लगाने के लिए कहा है। संस्थान इस पर एक महत्वपूर्ण नई अंतरराष्ट्रीय पहल के रूप में काम कर रहा है।

अनुदान एवं रैंकिंग

वित्तीय वर्ष 2021-22 में संस्थान को विभिन्न स्रोतों से वित्तीय सहायता प्राप्त हुई है जिसमें शिक्षा मंत्रालय से भारत सरकार द्वारा 631 करोड़ रुपये का सहायता अनुदान शामिल है। मंत्रालय ने इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस

(IoE) योजना के तहत 243 करोड़ रुपये भी दिए हैं। दोनों अनुदानों को मिलाकर संस्थान को मंत्रालय से प्राप्त कुल 874 करोड़ रुपये की राशि है। इसके अलावा संस्थान को विभिन्न वित्त पोषण एजेंसियों और उद्योगों से अनुसंधान और परामर्श परियोजना शीर्षों के अर्न्तगत 386 करोड़ रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ है। संस्थान को विभिन्न बाहरी स्रोतों से 80 करोड़ रुपये की अक्षय राशि भी मिली है। वित्तीय वर्ष 2021-22 में संस्थान को कुल 1,340 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता मिली है। उक्त अवधि के दौरान संस्थान द्वारा अपने सभी आंतरिक स्रोतों (IRG) से उत्पन्न कुल राजस्व 123 करोड़ रुपये है। इस अवधि के दौरान संस्थान को वित्तीय मजबूती प्रदान करने के लिए संस्थान मंत्रालय और सभी वित्त पोषण एजेंसियों का आभारी है।

वैश्विक और घरेलू रैंकिंग दोनों में भा.प्रौ.सं. दिल्ली का प्रभुत्व एक अनुकूल विशेषता है। यह पिछले पांच वर्षों से लगातार शीर्ष 200 QS विश्व संस्थानों में शामिल है और इस वर्ष 174 की बेहतर रैंक के साथ (1422 विश्वविद्यालयों में से) अकादमिक प्रतिष्ठा (पिछले साल 45.8) और नियोक्ता प्रतिष्ठा 79.2 (70.8 पिछले साल) में 49 के स्कोर के साथ धारणा मेट्रिक्स में उल्लेखनीय सुधार दिखाई दे रहा है। QS-एशिया रैंकिंग में भा.प्रौ.सं. दिल्ली ने अपनी रैंकिंग लगातार 50 से नीचे रखी है। वैश्विक रैंकिंग में उपरोक्त सुधार कई कारकों के कारण है जैसे कई अंतःविषय शैक्षणिक कार्यक्रमों की शुरुआत, अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ सहयोगी संयुक्त डिग्री कार्यक्रम आदि।

भा.प्रौ.सं. दिल्ली QS विषय रैंकिंग में इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में विश्व स्तर पर 72वें स्थान पर है। भा.प्रौ.सं. दिल्ली ने QS विषय रैंकिंग में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है, क्योंकि इसके पांच मुख्य इंजीनियरिंग विभागों को विश्व स्तर पर शीर्ष 100 में स्थान दिया गया है यानी इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक को 56, मैकेनिकल और मैक्युफैक्चरिंग को 64, कंप्यूटर साइंस और आई.टी. को 65, सिविल और स्ट्रक्चरल को 51-100 और केमिकल इंजीनियरिंग 92 पर है। संस्थान ने भारत में चार विषय क्षेत्रों में भी पहला स्थान हासिल किया है: इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक; कंप्यूटर विज्ञान; सांख्यिकी एवं संचालन अनुसंधान और सिविल एवं स्ट्रक्चरल इसके बाद मैकेनिकल, गणित, रसायन, सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन में दूसरा सर्वश्रेष्ठ स्थान है। पदार्थ विज्ञान, रसायन विज्ञान, जैव विज्ञान और समाजशास्त्र में तीसरा स्थान है। वैश्विक रैंकिंग में भा.प्रौ.सं. दिल्ली की कुछ महत्वपूर्ण हाइलाइट्स को QS एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग में शीर्ष 6% पर प्रदर्शित किया गया है। इसकी स्नातक रोजगार योग्यता रैंकिंग विश्व स्तर पर 135 है।

घरेलू स्तर पर संस्थान ने NIRF रैंकिंग में अपना दबदबा बनाए रखा है जो समग्र श्रेणी में लगातार तीसरे और चौथे स्थान के बीच है और इंजीनियरी विषय के साथ पिछले चार वर्षों से लगातार सर्वश्रेष्ठ दूसरे स्थान पर है। प्रबंधन विषय में संस्थान ने कई IIM को पीछे छोड़ते हुए इस वर्ष चौथे स्थान पर रहा है। NIRF ने इस वर्ष अपनी आर.एन्ड.डी. स्थिति को तीसरे स्थान पर रखा। इंडिया टुडे ने पिछले पांच वर्षों से लगातार भा.प्रौ.सं. दिल्ली

को पहला स्थान (सर्वश्रेष्ठ कॉलेजों और विश्वविद्यालयों की श्रेणियों में) दिया है।

संकाय (फैकल्टी) उपलब्धियां

भा.प्रौ.सं. दिल्ली एक मजबूत अनुसंधान समुदाय द्वारा समर्थित है जिसके नेतृत्व में 612 सदस्यों की एक संकाय शक्ति है। 130 सदस्यों के अतिरिक्त शोध और अकादमिक स्टाफ द्वारा इसे कॉम्पलिमेंट किया गया है जिसमें 78 पोस्ट डॉक्टरल फेलो शामिल हैं। वर्तमान स्वीकृत संख्या (स्ट्रेंथ) के साथ, संस्थान अगले कुछ वर्षों में चरणबद्ध तरीके से इस संख्या (स्ट्रेंथ) में विस्तार करना चाहता है। पिछले वर्ष संस्थान ने 67 नए संकाय सदस्यों को प्रस्ताव पेश किए हैं और उनमें से 46 संकाय सदस्य संस्थान में शामिल हो चुके हैं। संस्थान शैक्षणिक इकाइयों में विदेशी संकाय सदस्यों और प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस की भर्ती को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित कर रहा है। आई.आई.टी. दिल्ली में अल्पावधि शिक्षण कार्य करने के लिए विदेशी संकाय सदस्यों को आकर्षित करने के लिए संस्थान के संकाय सदस्य विभिन्न विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ बातचीत कर रहे हैं। भा.प्रौ.सं. दिल्ली की फैकल्टी टीमों ने कोविड महामारी की शुरुआत से पहले कई विदेशी विश्वविद्यालयों का दौरा भी किया जिसके परिणामस्वरूप शॉर्ट टर्म असाइनमेंट के लिए कुछ विदेशी फैकल्टी सदस्यों ने भा.प्रौ.सं. दिल्ली का दौरा किया।

क्वार्टरलि फैकल्टी इनडक्शन प्रोग्राम आयोजित किया गया। जहां नए संकाय सदस्यों को संस्थान के नियमों और विनियमों (जैसे seed अनुदान, पीडीए, पीडीएफ,

वार्षिक मूल्यांकन, खरीद, संपत्ति, अनुशासनात्मक, प्रोत्साहन योजना) से अवगत कराया गया। युवा संकाय परामर्श कार्यक्रम शुरू किया गया है जिसका उद्देश्य संस्थान में शामिल होने वाले नए संकाय सदस्यों का समर्थन, मार्गदर्शन, सुविधा और उन्मुखीकरण करना है। वार्षिक मूल्यांकन प्रपत्र और पुरस्कार प्रपत्र के लिए ईआरपी पोर्टल में नई पहल की गई है। प्रकाशन और शैक्षणिक जानकारी जैसे डेटा के दोहराव से बचने के लिए विभिन्न स्रोतों से सूचना के ऑटो पॉपुलेशन विशेषता को सिस्टम में शामिल किया गया है।

हमारे संकाय सदस्य देश के बेहतरीन शिक्षाविदों में से हैं और अनुसंधान, शिक्षण तथा पाठ्यक्रम विकास की गुणवत्ता के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त हैं। वे बड़ी संख्या में निर्णय लेने वाले निकायों के साथ संबद्ध होकर, नीतिगत मामलों व तकनीकी मुद्दों पर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन तथा सलाह प्रदान करके राष्ट्र के विकास में बहुत योगदान देते हैं। हमारे प्रतिष्ठित संकाय सहयोगियों ने विज्ञान, इंजीनियरिंग, मानविकी और प्रबंधन के जगत में अपना प्रभाव कायम रखा है और संस्थान को गौरव दिलाने वाले सम्मान एवं पुरस्कार अर्जित करना भी कायम रखा है। उनमें से अनेक को पिछले एक साल के दौरान सम्मानों एवं पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है तथा कई को पेशेवर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय निकायों के फेलो के रूप में चुना गया। पिछले एक वर्ष में हमारे संकाय सदस्यों द्वारा प्राप्त कुछ उल्लेखनीय सम्मानों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- प्रो. नरेश भटनागर, यांत्रिकी इंजीनियरी विभाग,

प्रो. तपन कुमार गांधी, विद्युत इंजीनियरी विभाग और प्रो. अमित कुमार, कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरी विभाग को इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग (INAE) फेलो।

- प्रो. सुरेश चंद्रा, विद्युत इंजीनियरी विभाग को ऑपरेशंस रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया के फेलो।
- डॉ. नबी हसन, पुस्तकालयाध्यक्ष एवं अध्यक्ष, केंद्रीय पुस्तकालय को क्लास ऑफ SLA (FSLA), 2022 के फेलो।
- प्रो. रंजन के. मलिक, विद्युत इंजीनियरी विभाग को एशिया-पैसिफिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एसोसिएशन (AAIA) के फेलो।
- प्रो. वी. रामगोपाल राव, विद्युत इंजीनियरी विभाग को INAE द्वारा प्रो. मेघनाद साहा मेमोरियल लेक्चर अवार्ड (2021)।
- प्रो. श्री हर्ष कोटा, सिविल इंजीनियरी विभाग को इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग (INAE) यंग इंजीनियर अवार्ड (2021)।
- प्रो. सौविक चक्रवर्ती, अनुप्रयुक्त यांत्रिकी विभाग और प्रो. अभिज्ञान चक्रवर्ती, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरी विभाग को इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग (INAE) यंग इंजीनियर अवार्ड (2022)।
- प्रो. केदार खरे, ऑप्टिक्स एंड फोटोनिक्स केन्द्र और प्रो. अमित मेहंदीरता, जैव चिकित्सा इंजीनियरी केन्द्र को INAE (2022) द्वारा अब्दुल कलाम टेक्नोलॉजी इनोवेशन नेशनल फेलोशिप।

- प्रो. अशोक के गांगुली, रसायन विज्ञान विभाग को मैटेरियल्स रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया (MRSI) द्वारा विशिष्ट पदार्थ वैज्ञानिक का वार्षिक पुरस्कार 2021।
- प्रो. एन. एम. अनूप कृष्णन, सिविल इंजीनियरी विभाग को वर्ष 2021 के लिए NASI – यंग साइंटिस्ट प्लेटिनम जुबली अवार्ड।
- प्रो. निधि जैन, रसायन विज्ञान विभाग को केमिकल रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया (सी.आर.एस.आई.) कांस्य पदक 2022।
- प्रो. सौरव बंसल, कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरी विभाग को क्वालकॉम फैकल्टी अवार्ड, 2022।
- प्रो. रंजन के. मलिक, विद्युत इंजीनियरी विभाग को इंजीनियरिंग उत्कृष्टता 2021 के लिए IEI-IEEE पुरस्कार।
- प्रो. एन. एम. अनूप कृष्णन, सिविल इंजीनियरी विभाग को डब्ल्यू. ए. वेलय इन्टरनेशनल ग्लास साइंस अवार्ड –2022।
- प्रो. सुधासत्त्व बसु, रासायनिक इंजीनियरी विभाग को मैटेरियल्स रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा 2022 का MRSI पदक।
- प्रो. अभिषेक दीक्षित, विद्युत इंजीनियरी विभाग और प्रो. मोहम्मद अली हैदर, रासायनिक इंजीनियरी विभाग को राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत (NASI) के सदस्य।

मानव संसाधन विकास

संस्थान के भर्ती नियमों के अनुसार अवधि के दौरान विभिन्न स्तरों पर कर्मचारियों की भर्ती की गई है ताकि उनके शिक्षण, अनुसंधान और प्रशासनिक गतिविधियों से उपयुक्त जनशक्ति के साथ विभागों के केंद्रों, स्कूलों और प्रशासनिक इकाइयों को समर्थन और मजबूत किया जा सके। 20 नए कर्मचारियों की भर्ती की गई है। लेखा और आरक्षण सहित विभिन्न विषयों पर कर्मचारियों के लाभ के लिए इन-हाउस प्रशिक्षण आयोजित किया गया था। इसके अलावा बाहर विभिन्न संगठनों द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 18 कर्मचारियों ने भाग लिया।

ई.आर.पी. के तहत सेवा रिकॉर्ड प्रविष्टियां, वार्षिक प्रदर्शन मूल्यांकन, शामिल होने की औपचारिकताओं को पूरा करने और सेवानिवृत्ति से संबंधित मामलों सहित विभिन्न प्रशासनिक गतिविधियों के लिए नए मॉड्यूल शामिल किए गए हैं। ई.आर.पी. के तहत शैक्षणिक गतिविधियों को भी मजबूत किया गया है।

भा.प्रौ.सं. अस्पताल प्रशासन और सुरक्षा इकाई ने कोविड की स्थिति के दौरान संस्थान को उत्कृष्ट समर्थन और मार्गदर्शन दिया। परिसर समुदाय के लिए कई कोविड परीक्षण शिविर आयोजित किए गए। कोविड टीकाकरण शिविर का भी आयोजन किया गया। हमारे अल्युमनी और अन्य लोगों ने ऑक्सीजन कान्संट्रेटर और अन्य उपकरणों का समर्थन और दान किया। कोविड से संबंधित दिशा-निर्देशों के क्रियान्वयन और निगरानी के लिए समिति/कार्यदल ने उचित योजना, दिशा-निर्देशों के कार्यान्वयन और समन्वय के साथ परिसर में कोविड

स्थिति के प्रबंधन और नियंत्रण में उत्कृष्ट योगदान दिया जिससे पूरे समुदाय को बहुत लाभ हुआ।

शिखर छात्रवृत्ति अभियान के तहत संस्थान के जरूरतमंद कर्मचारियों के स्कूल जाने वाले मेधावी बच्चों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। छात्रवृत्ति 9वीं कक्षा से 12वीं कक्षा पूरी करने तक दी जाती है। प्रत्येक बच्चे को 2,500 रुपये प्रतिमाह की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। सत्र 2021-22 के लिए ऐसे 13 छात्रों को शिखर छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

कर्मचारियों के लिए संस्थान पुरस्कार वर्ष 2021 निम्नलिखित को प्रदान किए गए हैं: लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड – श्री सुरेश कुमार गोहर और सुश्री अनीता मोहन दास; उत्कृष्ट कर्मचारी अवार्ड – श्री एन. भास्कर; संस्थान अवार्ड – श्री चंद्रमा शर्मा, श्री धीरेंद्र राणा, सुश्री ज्योति गोवर, श्री के.बी. कल्याणी, श्री मोहित विज, श्री मुरली हिंदवानी, सुश्री नीलम सिंधवानी, श्री राहुल बौराई, श्री रमेश चंदर, श्री संदीप अरोड़ा, सुश्री शरणप्रीत कौर धीमान, श्री एस. सुजीत और सुश्री तजिंदर कौर; राम ऋषि सिंह और श्रीमती मालती सिंह मेमोरियल स्टाफ नकद अवार्ड – सुश्री एन. उषा देवी और श्री फूल चंद सैनी। पुरस्कार पाने वालों को हार्दिक बधाई।

छात्र मामले

कोविड-19 द्वारा प्रस्तुत चुनौतियों के बावजूद छात्र मामलों के तहत विभिन्न कार्यालय, बोर्ड, क्लब और विभिन्न इकाइयाँ पूरे वर्ष सक्रिय रहती हैं। छात्र मामलों

परिषद (SAC) के माध्यम से हमने प्रत्येक क्लब/बोर्ड के गठन के लिए जेन्डर-न्यूट्रल ड्रॉफ्ट का सहारा लिया है। संविधियों को तदनुसार अद्यतन किया गया है। सभी छात्रावासों में "हाउसमास्टर" शब्द को "हाउस ऑफ हैड" के रूप में परिवर्तित कर एक महत्वपूर्ण परिवर्तन किया गया। SAC ने आई.आई.टी. दिल्ली अल्युमनी एसोसिएशन (IITDAA) के साथ मिलकर छात्रों के लिए अल्युमनी के साथ संबंध बनाने के उद्देश्य से कई पहल शुरू की हैं। 2020 और 2021 के बैच के लिए अल्युमनी फेस्ट (वर्चुअल) 26-27 दिसंबर, 2021 को आयोजित किया गया था। इस फेस्ट की योजना बी.एच.एम., बी. आर.सी.ए., बी.एस.ए. के सहयोग से बनाई गई थी और इसमें अल्युमनी और छात्रों की बड़ी भागीदारी देखी थी।

गंभीर महामारी से संबंधित चुनौतियों पर काबू पाने, और पिछले दो वर्षों में कैंपस के अनुभव से वंचित छात्रों के पूरे बैच न होने के बावजूद, छात्रों ने अप्रैल 2022 के महीने में दो सप्ताह की अवधि में चार प्रमुख छात्र उत्सवों का आयोजन किया। ये आयोजन थे टाइस्ट (वार्षिक तकनीकी और प्रबंधन उत्सव), काइजेन (एन.एस.एस. आई.आई.टी. दिल्ली का वार्षिक सामाजिक उत्सव), स्पोर्ट्स (वार्षिक खेल उत्सव) और रेंडीजवस (वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव)। महामारी के बाद देश में विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के 50,000 से अधिक छात्रों की उपस्थिति का प्रतिनिधित्व करना एक मुख्य आकर्षण था जिसने देश भर के शैक्षणिक संस्थानों में इस तरह की गतिविधियों की शुरुआत के लिए आवाज उठाई।

पिछले वर्ष के दौरान, छात्र कल्याण बोर्ड (छात्र परामर्श

इकाई सहित) ने महामारी से संबंधित तनाव से निपटने के लिए छात्र समुदाय की मदद में सक्रिय भूमिका निभाई।

बोर्ड ऑफ स्पोर्ट्स एक्टिविटीज (बीएसए) ने 5-9 अक्टूबर, 2022 तक भा.प्रौ.सं. दिल्ली में 36वीं इंटर भा.प्रौ.सं. एक्वाटिक मीट के आयोजन का समन्वय किया। यह पहली बार था जब एक्वाटिक मीट पूरी तरह से आईआईटी दिल्ली परिसर में आयोजित की गई थी। स्विमिंग पूल और अन्य सुविधाओं की न केवल सभी आईआईटी के प्रतिभागियों द्वारा बल्कि राष्ट्रीय स्तर के हाई-प्रोफाइल उन अधिकारियों द्वारा भी सराहना और प्रशंसा की गई जो संगठन की सहायता के लिए आए थे। इंटर-आईआईटी एक्वेटिक्स मीट के इतिहास में पहली बार टच-पैड फिनिश को शामिल किया गया था। कई उत्कृष्ट परिणामों में से, हाइलाइट वाटर पोलो में भा.प्रौ.सं. दिल्ली ने अपनी पदक की प्यास को बुझाने के लिए पहली बार कांस्य पदक जीता था।

सभी छात्र बोर्डों ने छात्रों के लाभ के लिए विभिन्न COVID संबंधित गतिविधियों का संचालन और आयोजन किया। इसके अतिरिक्त NSS ने ब्लडकनेक्ट के सहयोग से रक्तदान और स्वास्थ्य जांच शिविरों सहित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया और गैर सरकारी संगठनों के सहयोग से शीतकालीन और ग्रीष्मकालीन इंटरनशिप भी आयोजित की। भा.प्रौ.सं. दिल्ली ने छात्र बोर्डों (BRCA, BSA आदि) के माध्यम से भा.प्रौ.सं. दिल्ली का प्रतिनिधित्व करते हुए कई अवार्डों और पुरस्कारों के अलावा, 3 अंतर-महाविद्यालय NSS प्रतियोगिताओं में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरी विभाग के छात्र श्री कलश गुप्ता ने टी.सी.एस. द्वारा आयोजित एक प्रमुख वैश्विक कोडिंग प्रतियोगिता कोड वीटा 10 में +10,000 का भव्य पुरस्कार जीता। इसने व्यापक मीडिया कवरेज को भी आकर्षित किया।

AXLR8R फॉर्मूला रेसिंग की हमारी छात्र टीम ने फॉर्मूला SAE इटली 2022 में भाग लिया। उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया और 26 योग्य टीमों के बीच 13वां स्थान हासिल किया। टीम 'क्लासीफाइड कॉस्ट इवेंट' श्रेणियों में पहले स्थान पर रही।

करियर सेवा कार्यालय (ocs)

करियर सेवा कार्यालय, इस महत्वपूर्ण सुगमता गतिविधि केंद्र के प्रमुख कार्यों में, उद्योग तथा विभिन्न निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों में उपयुक्त नौकरियों के लिए स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों को विश्व स्तर की नौकरी के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से प्रैक्टिकल समर ट्रेनिंग्स, प्रतिष्ठित उद्योगों और संगठनों को आमंत्रित करना सम्मिलित हैं। OCS छात्रों के लाभ के लिए प्रतिष्ठित तकनीकी, औद्योगिक, प्रबंधन और अनुसंधान संगठनों से प्रतिष्ठित हस्तियों द्वारा पूर्व-प्लेसमेंट कार्यशालाओं, पैनल चर्चाओं, प्रैक्टिस टेस्ट्स तथा कैरियर परामर्श वार्ता भी आयोजित करता है।

इंटरनशिप के लिए 200 से अधिक कंपनियों ने दौरा किया, लगभग 730 अद्वितीय चयनों के लिए 830 प्रस्ताव दिए गए। 185 प्रोफाइल पर चयन के साथ 325 प्रशिक्षण प्रोफाइल के लिए ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण आवश्यकताएं प्राप्त की गईं। प्लेसमेंट के संबंध में, 600 से अधिक

कंपनियों ने 1000 से अधिक जॉब प्रोफाइल के लिए दौरा किया। 1100 से अधिक छात्रों को नियुक्त किया गया, जबकि 230 प्री-प्लेसमेंट ऑफर सहित कुल लगभग 1300 नौकरी के प्रस्ताव प्राप्त हुए। प्लेसमेंट प्रतिशत 82 फीसदी रहा। प्लेसमेंट और इंटर्नशिप दोनों के लिए OCS के माध्यम से छात्रों द्वारा प्राप्त किए गए प्रस्तावों की यह अब तक की सबसे अधिक संख्या है। शेष छात्रों ने उच्च अध्ययन/अनुसंधान का विकल्प चुना या सिविल सेवाओं की तैयारी कर रहे हैं या अपने स्वयं के स्टार्टअप विचारों पर काम कर रहे हैं या अपने स्वयं के संपर्कों/प्रयासों के माध्यम से नौकरी प्राप्त कर रहे हैं। COVID-19 स्थिति के कारण, छात्रों के कैंपस में लौटने तक ज्यादातर सभी प्रक्रियाएं ऑनलाइन मोड में आयोजित की गईं।

अल्युमनी संबंध

अल्युमनी संबंध कार्यालय अल्युमनी की पहुंच में सबसे आगे रहा है और आईआईटीडी की बेहतरी के लिए सहयोग कर रहा है। संस्थान से स्नातक होने के बाद हमारे अल्युमनी को जाते हुए देखना बहुत खुशी की बात है। यह अतीत और यादें भी हैं जो हमारे अल्युमनी को स्नातक होने के बाद भी आईआईटी. से जोड़े रखती हैं। अल्युमनी से हमेशा जुड़े रहने के हमारे प्रयास में, अल्युमनी संबंध कार्यालय पुनर्मिलन, अल्युमनी की बैठक, छात्रों के साथ बातचीत सत्र आदि आयोजित करके अल्युमनी के साथ जुड़ाव रहता है। अल्युमनी विभिन्न तरीकों जैसे आर्थिक रूप से शारीरिक रूप से और बौद्धिक रूप से अपने अल्मा मेटर का समर्थन करने के

लिए वापस आ रहे हैं। रिपोर्टिंग अवधि के दौरान, हमारे अल्युमनी और अन्य लोगों के सहयोग से 4 चेयर्स, 24 छात्रवृत्तियों और 13 पुरस्कारों की स्थापना की गई है। अल्युमनी के साथ जुड़ाव एक सतत प्रक्रिया है जो पूरे वर्ष होती है। कुछ विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। उनमें से कुछ नीचे सूचीबद्ध हैं—

- **मुंबई और बेंगलोर में अल्युमनी की बैठक** — भा.प्रौ.सं. दिल्ली ने क्रमशः 18 और 25 जून, 2022 को बेंगलुरु और मुंबई में अल्युमनी की बैठक आयोजित की। दोनों मुलाकातें शानदार रहीं और अल्युमनी को नेटवर्किंग के लिए एक मंच प्रदान किया गया। दोनों बैठकों में बड़ी संख्या में अल्युमनी ने भाग लिया। बैठक के दौरान संस्थान द्वारा भा.प्रौ.सं. दिल्ली के अतीत, वर्तमान और भविष्य को कवर करते हुए प्रस्तुतियाँ दी गईं। अल्युमनी के साथ भा.प्रौ.सं. दिल्ली एंडोमेंट फंड के लक्ष्यों और पहलों पर भी चर्चा की गई। चर्चा इस बात के इर्द-गिर्द घूमती रही कि अल्युमनी कैसे बदलाव ला सकते हैं और अपने अल्मा मेटर को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में मदद कर सकते हैं।
- **श्रमण फाउंडेशन छात्रवृत्ति** — श्रमण फाउंडेशन ने भा.प्रौ.सं. दिल्ली के 64 होनहार और गरीब छात्रों को छात्रवृत्ति की पेशकश की है। 15 जून, 2022 को श्रमण फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. विनय जैन द्वारा छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई। डॉ. जैन संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित एक चिकित्सा ऑन्कोलॉजिस्ट हैं और उन्होंने भारत और यू.एस.ए

में हजारों छात्रों को उनकी शैक्षिक आकांक्षाएं को आगे बढ़ाने के लिए समर्थन दिया है।

- *मित्तल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन हमारे अल्युमनी श्री सौरभ मित्तल के सहयोग से निर्मित – 2000 वर्ग मीटर में फैले एक विश्व स्तरीय इनडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन भा.प्रौ.सं. दिल्ली में किया गया। 'मित्तल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स' नाम की इनडोर स्पोर्ट्स सुविधा का निर्माण अल्युमनी श्री सौरभ मित्तल (बी.टेक, विद्युत इंजीनियरी, 1995) के उदार योगदान से किया गया है। स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में बैडमिंटन, स्क्वैश कोर्ट और टेबल टेनिस हॉल जैसी कई खेल सुविधाएं हैं।*
- *एंडोमेंट मेरिट फेलोशिप का पहला पुरस्कार समारोह – भा.प्रौ.सं. दिल्ली एंडोमेंट मैनेजमेंट फाउंडेशन ने एंडोमेंट मेरिट फेलोशिप का पहला पुरस्कार समारोह आयोजित किया। 15 पुरुष और 15 महिलाओं कुल 30 छात्रों को 1 लाख रुपये की फेलोशिप प्रदान की गई।*

धर्मादा निधि (एंडोमेंट फंड)

भा.प्रौ.सं. दिल्ली एंडोमेंट फंड की स्थापना के बाद से जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से अल्युमनी एक साथ आए हैं और पिछले कुछ वर्षों से एक महत्वपूर्ण राशि का योगदान दिया है। पिछले दीक्षान्त समारोह से अब तक ₹79 करोड़ से अधिक का दान प्राप्त हुआ है। भा.प्रौ.सं. दिल्ली के अल्युमनी सुश्री पारुल और श्री आलोक मित्तल भा.प्रौ.सं. दिल्ली एंडोमेंट फंड में संस्थापकों की लीग में शामिल

हुए। उन्होंने अगले 5 वर्षों में एंडोमेंट फंड में महत्वपूर्ण योगदान देने का वादा किया है। पारुल 1995 बैच की विद्युत इंजीनियरी ग्रेजुएट हैं और आलोक 1994 बैच के कंप्यूटर विज्ञान ग्रेजुएट हैं। अन्य अल्युमनी से भी महत्वपूर्ण योगदान प्राप्त हुआ है।

डॉ. अमित सिन्हा भी एंडोमेंट फंड में 10 करोड़ रुपये का दान देकर भा.प्रौ.सं. दिल्ली एंडोमेंट फंड की लीग ऑफ फाउंडर्स में शामिल हो गए हैं।

अन्य संस्थापकों के महत्वपूर्ण योगदान में श्री मोहित मित्तल – 2.6 करोड़ रुपये, श्री अमरजीत बख्शी – 1 करोड़ रुपये और श्री विवेक वैद्य – 2.2 करोड़ रुपये शामिल हैं।

अल्युमनी पुरस्कार

भा.प्रौ.सं. दिल्ली अपने अल्युमनी के साथ मजबूत और जीवंत संबंधों पर बहुत जोर देता है। संस्थान को अपने अल्युमनी और उनकी उपलब्धियों पर गर्व है। संस्थान विशिष्ट अल्युमनी पुरस्कार, विशिष्ट अल्युमनी सेवा पुरस्कार, और पिछले दशक के स्नातक (स्वर्ण) पुरस्कार प्रदान करके विभिन्न क्षेत्रों में अल्युमनी द्वारा किए गए उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देता है ताकि अकादमिक, व्यवसाय, पेशे और/या सार्वजनिक सेवा में उनकी उपलब्धियों और उत्कृष्ट योगदान को मान्यता दी जा सके।

विशिष्ट अल्युमनी पुरस्कार

इस वर्ष विशिष्ट अल्युमनी पुरस्कार निम्नलिखित को प्रदान किया जाएगा:

शिक्षण और अनुसंधान:

प्रो. सत्येंद्र के. गुप्ता, उत्पादन इंजीनियरी में एम.टेक., 1989, निदेशक, उन्नत विनिर्माण केंद्र, दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय; प्रो. रामा गोविंदराजन, रासायनिक इंजीनियरी में बी.टेक., 1984, वरिष्ठ प्रोफेसर और डीन, शैक्षणिक, इंटरनेशनल सेन्टर फॉर टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च, बेंगलुरु; प्रो. अविनाश कुमार अग्रवाल, ऊर्जा में एम.टेक., 1996 और ऊर्जा में पीएच.डी., 1999, एस.बी.आई. एन्डाउड चेयर प्रोफेसर, यांत्रिक इंजीनियरी, भा.प्रौ.सं. कानपुर; और डॉ. पुष्कर टंडन, रासायनिक इंजीनियरी में बी.टेक., 1990, कॉर्निंग रिसर्च एंड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन, कॉर्निंग, एन.वाई. में कार्यकारी कॉर्पोरेट फेलो।

उद्यमिता:

श्री जसविंदर चड्ढा, यांत्रिक इंजीनियरी में बी.टेक., 1990, एक्सट्रिया के संस्थापक, अध्यक्ष और ई.ओ.; और श्री अरविंद जैन, कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरी विभाग में बी.टेक, 1996, Glean के सह-संस्थापक और सी.ई.ओ.।

कॉर्पोरेट नेतृत्व:

डॉ. अमित सिन्हा, विद्युत इंजीनियरी में बी.टेक., 1998, सीईओ, डिमीसर्ट, इंक; और डॉ. अनिरुद्ध देवगन, विद्युत इंजीनियरी में बी.टेक., 1990, Cadence डिजाइन सिस्टम्स इंक. के अध्यक्ष और सी.ई.ओ.।

सरकार और लोक सेवा:

रियर एडमिरल जी.के. हरीश, नौसेना निर्माण में DIAT, 1989, पूर्व महानिदेशक, नौसेना डिजाइन।

विशिष्ट अल्युमनी सेवा पुरस्कार

इस वर्ष विशिष्ट अल्युमनी सेवा पुरस्कार डॉ. शशि पी. रेड्डी, कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरी विभाग में बी.टेक, 1987 को प्रदान किया जाएगा। श्री कैपिटल के संस्थापक एवं प्रबंध भागीदार और फ्रीडम के अध्यक्ष।

पिछले दशक के स्नातक (स्वर्ण) पुरस्कार

इस वर्ष, पिछले दशक के स्नातक (स्वर्ण) पुरस्कार निम्नलिखित को प्रदान किए जाएंगे:

शिक्षण और अनुसंधान:

डॉ. अंकुर गुप्ता, रासायनिक इंजीनियरी में बी.टेक., 2012, कोलोराडो विश्वविद्यालय, बोल्डर में केमिकल और बायोलॉजिकल इंजीनियरिंग विभाग में सहायक प्रोफेसर; और डॉ. दक्षिणा खुराना, विद्युत इंजीनियरी (पॉवर) में बी.टेक., 2012, सहायक प्रोफेसर, यू.आई.यू.सी.।

उद्यमिता:

श्री अभिषेक बंसल, उत्पादन और औद्योगिक इंजीनियरी में बी.टेक, 2012, सह-संस्थापक, शैडोफैक्स।

मैं संस्थान की ओर से सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई देता हूं।

उपाधि प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों के लिए संदेश

आप सभी को यहां अपने परिसर में पाकर और आपको फलते-फूलते तथा वास्तविक दुनिया में जाने के लिए तैयार होते एवं आत्मविश्वास से भरे वयस्कों के रूप में विकसित होते हुए देखकर हमें बहुत अच्छा लगा। दुनिया में सबसे अच्छी शिक्षा के साथ तुलनीय हमारे देश में

सबसे अच्छी शिक्षा प्राप्त करने के लिए आप भाग्यशाली रहे हैं। हमें आपसे बहुत उम्मीदें हैं।

आप सही समय पर सही जगह हैं। भविष्य भारत का है— हमारे प्रधानमंत्री ने एक आत्मानिर्भर भारत और 2047 तक एक विकसित देश बनने का लक्ष्य रखा है। आज हमारे समाज के सामने असंख्य समस्याएं हैं, जो चुनौतियों के साथ-साथ अवसर भी हैं। हमें विश्वास है कि आप सभी भविष्य के लिए समाधान प्रदान करने वाले अग्रणी बनेंगे। मुझे उम्मीद है कि आपको भा.प्रौ. सं. दिल्ली से स्नातक होने की जिम्मेदारियाँ याद रहेंगी।

और अंत में आज के दीक्षांत समारोह के सबसे महत्वपूर्ण और इस कार्यक्रम के मुख्य सितारे हैं— बैच 2022 के स्नातक। आप सभी को बधाई हो आपने हमें गौरवान्वित किया है सभी पुरस्कार विजेताओं को मेरी ओर विशेष बधाई। आपने उत्कृष्ट और बहुत मेहनत की है। आप सभी अपनी उपलब्धियों के लिए विशेष प्रशंसा के पात्र हैं और जो पुरस्कार प्राप्त करने से वंचित रह गए हैं, आप चिंता न करें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता,

आपको भविष्य में बहुत से अवसर प्राप्त होंगे। आप में से प्रत्येक अपने आप में खास है और हमें आप पर गर्व है। गर्वान्वित माता-पिता को आभार जिन्होंने आपके इस सफर में एक बड़ी भूमिका का निर्वाहन किया। नैतिक बने, अपने मन की आवाज को सुने, और वास्तविक दुनिया में अपना योगदान दें और अपनी राह ढूँढ़ें।

हम आप सभी की सफलता और खुशी की कामना करते हैं। आप हमेशा भा.प्रौ.सं. दिल्ली का हिस्सा रहेंगे। हम आशा करते हैं कि आपके सहयोग से संस्थान समाज और उद्योग में प्रभाव डालने के अपने दृष्टिकोण तक पहुंचेगा और सभी भारतीयों का गौरव बनने की दिशा में कदम बढ़ाएगा।

धन्यवाद।

जय हिन्द!

प्रो. रंगन बैनर्जी

निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली

05 नवम्बर, 2022

अध्यक्ष, अभिशासक परिषद का सम्बोधन

माननीय मुख्य अतिथि प्रो. अभिजीत बनर्जी, भा.प्रौ.सं. दिल्ली के निदेशक प्रो. रंगन बनर्जी, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के विशिष्ट सदस्य, सीनेट के सदस्य, भा.प्रौ.सं. दिल्ली के संकाय और कर्मचारी, आमंत्रित अतिथिगण, माता-पिता और उपाधि प्राप्त करने वाले मेरे प्यारे युवा मित्रों।

बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की ओर से, मुझे दुनिया के एक प्रमुख अर्थशास्त्री, विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त एवं नोबेल पुरस्कार विजेता और इस समारोह के मुख्य अतिथि का हार्दिक स्वागत करते हुए अपार खुशी हो रही है।

जैसा कि मैंने अक्सर कहा है भा.प्रौ.सं. प्रणाली में बहुत अधिक वैश्विक ब्रांड इक्विटी है और सभी भा.प्रौ.संस्थानों में भा.प्रौ.सं. दिल्ली शीर्ष स्थान पर है। हमारे पास विश्व-स्तरीय फैकल्टी हैं जिन्हें भारत और विदेशों से मान्यताएं मिलती रहती हैं। हमारे पास भा.प्रौ.सं. दिल्ली में इंजीनियरिंग विज्ञान के विभिन्न उन्नत अनुसंधान क्षेत्रों में अग्रणी शोध कार्यकर्ता हैं और अन्य में उच्च-प्रौद्योगिकी क्षेत्रों से लेकर शुद्ध विज्ञान, और सामाजिक विज्ञान के साथ-साथ विज्ञान और प्रौद्योगिकी के साथ उत्तरवर्ती इन्टरएक्शन भी शामिल है।

मुझे किसी भी भा.प्रौ.संस्थान में अध्ययन करने का सौभाग्य नहीं मिला क्योंकि मैं अपनी पीएच.डी. के लिए भारतीय विज्ञान संस्थान (IISc.) में शामिल हुआ था। उस समय पहला भा.प्रौ.सं. स्थापित किया गया था और भारतीय विज्ञान संस्थान उस समय उच्च शिक्षा और अनुसंधान के लिए सबसे प्रसिद्ध संस्थान था।

विशिष्ट रूप से, भारत अब एक आर्थिक रूप से विकासशील देश है जहां विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रणाली के कुछ हिस्से अत्यधिक विकसित हैं, जैसे अंतरिक्ष और परमाणु, रक्षा के कुछ क्षेत्र, ज्ञान रसायन आदि और हमारे पास भा.प्रौ.सं. जैसे विश्व स्तरीय शैक्षणिक संस्थान हैं। हम में जोखिम लेने की भूख भी होनी चाहिए। जॉन ब्रॉकमैन द्वारा 2018 में संपादित पुस्तक 'दिस आइडिया इज ब्रिलियंट' में फिल रोजेनविग कहते हैं:

“जब तकनीकी सफलताओं या नए उत्पादों को लॉन्च करने की बात आती है तो “कार्य करने से पहले ही हार मानने से अच्छा है कि कार्य करके हारे”।

‘रिस्क ऐन्ड पॉवर्टी ट्रैप’ के विषय पर मैंने प्रो. अभिजीत बनर्जी को यह कहते सुना है कि: “गरीब लोग कम

जोखिम—कम रिटर्न वाली परियोजनाएं लेते हैं क्योंकि वे जोखिम से डरते हैं इसलिए वे गरीब रहते हैं।” अनुसंधान के लिए भी यही सच है।

और आप सभी युवाओं को आपके भविष्य व करियर के लिए शुभकामना देता हूँ क्योंकि आप आत्मविश्वास, आशावाद और जुनून के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

मैं फिर से प्रो. अभिजीत बनर्जी का स्वागत करता हूँ धन्यवाद और जय हिंद।



शपथ

मैं एतद्द्वारा प्रतिज्ञा करता हूँ कि मेरा निरन्तर प्रयास रहेगा कि मैं एक इंजीनियर एवं वैज्ञानिक के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वहन अति ईमानदारी से करूँगा।

मैं प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा और व्यवसाय की मान—मर्यादा बनाए रखूँगा।

मैं प्रौद्योगिकी और विज्ञान के अपने ज्ञान का उपयोग सामान्य रूप से देश और मानवता की सेवा करते हुए संस्थान की गरिमा के लिए करूँगा।



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली

हौज खास, नई दिल्ली-110016 (भारत)

Website : www.iitd.ac.in